दैनिक

सकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

Vastu Guruji

वास्तु हेतु संपर्क करें...

मो.नं. 9074110000
9770888888

वास्तु गुरुजी

वर्ष : 3 अंक : 171 पृष्ठ : 8 मूल्य: 1:00 रायपुर, सोमवार 29 जून, 2026 www.sakarbharat.com

प्रधानमंत्री की मन की बात विकसित भारत के संकल्प को देती है नई ऊर्जा : मुख्यमंत्री साय

जनभागीदारी और जनप्रेरणा का सशक्त माध्यम बना मन की बात : मुख्यमंत्री

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम %मन की बात% की 135वीं कड़ी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ सुनी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि %मन की बात% आज जनता और नेतृत्व के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार देशवासियों को प्रेरित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक कड़ी में देशभर से नवाचार, जनभागीदारी और प्रेरणादायी प्रयासों को सामने लाते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक कार्यों को नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि %मन की बात% की अनेक कड़ियों में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और उपलब्धियों का उल्लेख होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी गणेशोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से निर्मित भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला तथा वर्षा जल के प्रत्येक बूंद के संरक्षण का संदेश देते हुए जल संचय को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मेघालय के जीवित रूट ब्रिज का उल्लेख करते हुए प्रकृति और मानव के अद्भुत समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विज्ञान, तर्क और जागरूकता के माध्यम से समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। असम की महिलाओं द्वारा %हरगिला आर्मी% के माध्यम से दुर्लभ प हरगिला के संरक्षण और उससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास जनजागरूकता का प्रेरक उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागालैंड में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संचालित नागालैंड बेबी लीग और नागालैंड वुमन फुटसाल लीग जैसी पहलों का उल्लेख किया। साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय एवं सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ाने के प्रयासों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि डोमिनिकन रिपब्लिक में %ब्रह्मकमल डोमिनिकाना% के सदस्य वैदिक साहित्य का अध्ययन कर भारतीय संस्कृति से जुड़ रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा की महिलाओं द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट से सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाने की पहल स्वच्छता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, विधायक मती गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय वास्तव, सच्चिदानंद उपासने, अखिलेश सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वेनेजुएला में 126 साल में सबसे बड़ी तबाही, भारत ने दिया एक्शन का आदेश

नई दिल्ली। वेनेजुएला में आए भीषण भूकंप ने ऐसी तबाही मचाई है कि पूरी दुनिया अब वेनेजुएला की मदद के लिए सामने आ रही है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वेनेजुएला की मदद का ऐलान किया है। वेनेजुएला में आए भीषण भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। वेनेजुएला के उत्तरी मध्य हिस्से में आए दो शक्तिशाली भूकंप ने पूरे देश को हिला दिया। पहले 7.1 तीव्रता का झटका महसूस हुआ और महज 39 सेकंड के बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा और ज्यादा शक्तिशाली भूकंप आया। इसका केंद्र यूमारे के पास बताया गया। राजधानी काराकास समेत कई शहरों में भारी नुकसान की तस्वीरें सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट में भारी तबाही की तस्वीरें हुई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। छिपने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वह अपनी जान बचा सकें। लेकिन बताया जा रहा है कि अब तक इस ऑपरेशन में यह अनुमान लगा लिया गया है।

स्कूटी से शहर का निरीक्षण करने निकले उप मुख्यमंत्री अरुण साव

अरपा नदी के पुनरुद्धार के लिए 251 करोड़ के प्रोजेक्ट को दी सैद्धांतिक सहमति

रायपुर. । उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज लगभग तीन घंटे तक स्कूटी से बिलासपुर शहर का भ्रमण कर नगर निगम, स्मार्ट सिटी तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि कार्यों में अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी और नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे भी उनके निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि अरपा नदी बिलासपुर की जीवनदायिनी है और शहरवासियों की भावनाओं से जुड़ी हुई है। इसके संरक्षण एवं पुनरुद्धार में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने अरपा नदी को प्रदूषण से मुक्त करने और उसके पुनरुद्धार के लिए तैयार 250 करोड़ 93 लाख रुपये की परियोजना को सैद्धांतिक सहमति प्रदान करते हुए इसे शीघ्र धरातल पर उतारने की आवश्यकता बताई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में शहर के लगभग 70 नालों का दूषित पानी सीधे अरपा नदी में गिर रहा है, जिससे नदी का जल प्रदूषित हो रहा है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम द्वारा 250 करोड़ 93 लाखि रुपये की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया गया है। इसके तहत नगर निगम सीमा क्षेत्र में 17 किलोमीटर लंबाई में प्रवाहित 70 नालों के दूषित जल को उपचारित करने की व्यापक योजना बनाई गई है। परियोजना में 57 स्थानों पर इंटरसेप्शन एवं डाइवर्जन स्ट्रक्चर, 13 स्थानों पर डाइवर्जन वियर, 9.99 किलोमीटर डाइवर्जन सीवर, 2.77 किलोमीटर सीवरेज पंपिंग राइजिंग मेन, 3 सीवेज पंपिंग स्टेशन, 2 नए एसटीपी सहित विद्युतीकरण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन कार्य शामिल हैं। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से नालों का गंदा पानी नदी में जाने से पहले उपचारित किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि इस महत्वाकांपरियोजना की सभी आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण कर राज्य शासन स्तर पर त्वरित स्वीकृति की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अरपा नदी के संरक्षण का कार्य जल्द प्रारंभ हो सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शहर में बेतरतीब ढंग से लगे बिजली के खंभों एवं ट्रांसफार्मरों को व्यवस्थित स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही भविष्य में नए बिजली खंभे अथवा ट्रांसफार्मर स्थापित करने से पूर्व नगर निगम की अनिवार्य सहमति लेने के निर्देश दिए। कोनी स्थित कन्वेंशन सेंटर के लिए पर्याप्त वाहन पार्किंग विकसित करने तथा उसके पीछे स्थित शासकीय भूमि का उपयोग पार्किंग के रूप में किए जाने के निर्देश भी उन्होंने अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जनहित के सभी काम समय पर पूर्ण हों, और लोगों को त्वरित रूप से इनका लाभ मिले। ठेकेदारों को पेनाल्टी अथवा सजा दिलाना हमारा उद्देश्य नहीं है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी विकास परियोजनाओं के समयबद्ध पूर्ण होने से बिलासपुर की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और शहर की दशा एवं दिशा में व्यापक परिवर्तन आएगा। उप मुख्यमंत्री साव के निरीक्षण के दौरान विधायक सुशांत शुक्ला भी पूरे समय साथ थे।

नकटी में विकास बनाम विस्थापन पर सांसद की दो-टूक: मुख्यमंत्री से चर्चा कर निकालेंगे न्यायपूर्ण समाधान

रायपुर। के नकटी क्षेत्र में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी और वहां निवासरत परिवारों को मिल रहे बेदखली नोटिस के संबंध में प्रभावित ग्रामीणों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल से भेंट की। ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा दी गई नोटिस और उसके बाद उत्पन्न स्थिति से सांसद को अवगत कराया। इस गंभीर विषय पर चर्चा करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि, प्रस्तावित कार्यों के लिए किसी को भी बेघर करना सरकार की प्राथमिकता नहीं है। मैंने पूर्व में भी इस संबंध में शासन को अपना पक्ष स्पष्ट किया है और अब भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी से इस पर चर्चा कर उचित समाधान निकालने का प्रयास करूँगा। सांसद अग्रवाल ने पीड़ित ग्रामीणों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक ली। जिसमें प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि जब तक प्रभावित परिवारों के लिए उचित वैकल्पिक व्यवस्था या पुनर्वास योजना तैयार न हो जाए, तब तक किसी भी स्थिति में बेदखली की कार्रवाई न की जाए। अग्रवाल का कहना है कि, जिन परिवारों के पास कोई अन्य आवास नहीं है और जो पूर्णत: बेघर हो जाएंगे, उनकी समस्या का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार की योजनाओं का उद्देश्य जन-कल्याण है, न कि किसी को संकट में डालना। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने ग्रामीणों से अपील की है कि, जिनके पास अन्य स्थानों पर घर उपलब्ध हैं, वे सरकारी योजनाओं को सुगम बनाने हेतु स्वत: सहयोग करें, ताकि जो वास्तव में जरूरतमंद और भूमिहीन हैं, उन्हें समुचित पुनर्वास का लाभ मिल सके।

सीएम योगी आज मुरादाबाद दौरे पर

मुरादाबाद । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 29 जून को मुरादाबाद दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह जिले को 365.50 करोड़ रुपये की लागत वाली 63 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें 26 परियोजनाओं का लोकार्पण और 37 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री का आगमन दोपहर करीब 1:30 बजे प्रस्तावित है। सर्किट हाउस के पीछे जनसभा स्थल पर पंडाल निर्माण और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री 136.15 करोड़ रुपये की 26 पूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, जबकि 229.35 करोड़ रुपये की 37 नई परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इन योजनाओं का उद्देश्य जिले के बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करना है। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री हरदासपुर गांव में निर्माणाधीन गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण करेंगे।

देशव्यापी अभियान की शुरुआत के साथ नारायणपुर के अबूझमाड़ में नौनिहालों को पिलाई गई 'दो बूंद जिंदगी की', शत-प्रतिशत टीकाकरण का दिया संदेश

रायपुर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत आज देशभर में शुरू हुए विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से भी उत्साहपूर्वक हुई। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया और अभिभावकों से अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाने की अपील की।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। पोलियो जैसी गंभीर बीमारी पर भारत ने प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है, लेकिन इसे पूरी तरह समाप्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दो बूंद जिंदगी की स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण का आधार है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों और अभियान में लगे सभी कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेष रूप से अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में अभियान का प्रभावी संचालन सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सुरक्षा और बच्चों के समग्र विकास को लेकर लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान भी इसी संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक बच्चे को पोलियो से सुरक्षित रखना है। अभियान के दौरान जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिनें एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित बूथों के साथ-साथ घर-घर जाकर भी बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाई जा रही है।

SHORT NEWS

छत्तीसगढ़ में अगले 3-4 दिनों में पहुंचेगा मानसून

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की रफ्तार तेज होने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 3 से 4 दिनों में मानसून प्रदेश के शेष हिस्सों तक पहुंच जाएगा। राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है, लेकिन उमस से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। विभाग ने आगामी सात दिनों तक बारिश की गतिविधियां बढ़ने और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना जताई है। रविवार को सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली, 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा और बारिश की संभावना है।

इंस्टाग्राम पर नाबालिग को धमकाने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के जरिए नाबालिग को अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 21 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), पॉक्सो एक्ट और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत में बताया गया कि उसकी नाबालिग पुत्री से आरोपी ने इंस्टाग्राम के माध्यम से संपर्क किया था। बातचीत के दौरान उसने युवती के निजी फोटो अपने पास हासिल कर लिए और बाद में उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा।

रबर टायर के बिना आयरन केजव्हील ट्रैक्टरों के सड़क पर संचालन पर सख्ती

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सड़क सुरक्षा और मोटर वाहन नियमों के प्रभावी पालन के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में परिवहन विभाग ने रबर टायर के बिना दोहरे लोहे के पिंजरे (आयरन केजव्हील) वाले ट्रैक्टरों के सामान्य सड़कों पर संचालन पर सख्ती बरतने के निर्देश जारी किए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई परिवहन विभाग ने सभी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे ट्रैक्टरों के सड़क पर संचालन पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। खेतों के लिए बने हैं आयरन केजव्हील परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि ट्रैक्टरों में लगाए जाने वाले आयरन केजव्हील केवल कृषि कार्य और खेतों में उपयोग के लिए बनाए गए हैं। इन्हें रबर टायर के स्थान पर डामर, सीमेंट की सड़कों तथा राष्टीय राजमार्गों पर चलाना मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है। सड़कें हो रही हैं क्षतिग्रस्त, दुर्घटना का भी खतरा लोक निर्माण विभाग के अनुसार ऐसे ट्रैक्टरों के सड़क पर चलने से डामर और सीमेंट की सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं। साथ ही दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। इसे देखते हुए परिवहन विभाग ने इस पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश दिए हैं।

जन्म-मृत्यु पंजीकरण में अपील की सुविधा, नागरिकों को मिली राहत

जशपुरनगर। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय जशपुर द्वारा जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण से जुड़े मामलों में आम नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। जानकारी के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को जन्म–मृत्यु पंजीकरण प्रकरण में संबंधित रजिस्ट्रार द्वारा पारित आदेश से असंतोष है, तो वह नियमानुसार जिला रजिस्ट्रार के समक्ष अपील प्रस्तुत कर सकता है। इसी तरह जिला रजिस्ट्रार के आदेश से असंतुष्ट होने पर व्यक्ति को मुख्य रजिस्ट्रार, छत्तीसगढ़ तथा संचालक, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, रायपुर के समक्ष अपील करने का अधिकार होगा। यह व्यवस्था जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण संबंधी प्रावधानों के अंतर्गत उपलब्ध है। डेमोग्राफ़िक्स कार्यालय ने बताया कि अपील प्रस्तुत करते समय संबंधित आदेश की प्रति, आवश्यक अभिलेख तथा अपना पक्ष स्पष्ट रूप से संलग्न करना अनिवार्य होगा, जिससे प्रकरण का परीक्षण कर नियमानुसार निर्णय लिया जा सके। जिले के सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि जन्म–मृत्यु पंजीकरण संबंधी किसी भी विवाद, त्रुटि या आदेश के विरुद्ध वैधानिक अपील व्यवस्था का उपयोग करें।

सीएम साय ने स्कूल के खिलाड़ियों और कोच को किया सम्मानित

राजनांदगाँव। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के गरिमामयी अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने देश और राज्य का नाम रोशन करने वाले नेशनल खिलाड़ियों और कोचों को सम्मानित किया। इस भव्य कार्यक्रम में राजनांदगाँव के प्रतिष्ठित संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्र–छात्राओं के साथ–साथ विद्यालय की खेल विधा को नई ऊंचाइयाँ देने वाली कोच को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल की कोच सु विद्या सिंह को खेल के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए मुख्यमंत्री के हाथों विशेष पुरस्कार से नवाजा गया। इसके साथ ही विद्यालय की होनहार छात्रा कुमारी वंदिता रावटे (कक्षा 11वीं) और छात्र सौरभ पोंडी (कक्षा 10वीं) को खेल में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र और स्पोर्ट्स किट प्रदान की गई। इस उच्च स्तरीय सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप और ओलंपिक संघ के डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया विशेष रूप से मंच पर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कोच सु विद्या सिंह के मार्गदर्शन और खिलाड़ियों के हुनर की खुलकर सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस ऐतिहासिक दोहरी सफलता पर संस्था के प्रबंधकगण अतुल जी देशलहरा, आदित्य अग्रवाल जी ने हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों और कोच को अपनी शुभकामनाएं दीं। प्राचार्या मती रेखा तिवारी जी ने बधाई देते हुए कहा, ''विद्यालय के इन होनहारों और हमारी कोच ने राज्य स्तर पर स्कूल का मान बढ़ाया है। खेल भावना और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है, और हमारे बच्चों ने इसे साबित कर दिखाया है।'' खिलाड़ियों और कोच की इस बड़ी उपलब्धि पर विद्यालय के समस्त शिक्षकों और स्टाफ ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरे खेल दल को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

प्रशासन की तत्पर पहल से बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को दोबारा मिलने लगीं आंगनबाड़ी सेवाएं

बलरामपुर। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बलरामपुर जिला प्रशासन ने विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम पंडरी स्थित बछरूडूबा आंगनबाड़ी भवन को मुक्त कराकर पुनः महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंप दिया है। इसके साथ ही केंद्र में संचालित होने वाली सभी सेवाएं नियमित रूप से प्रारंभ हो गई हैं, जिससे क्षेत्र के बच्चों और माताओं को बड़ी राहत मिली है।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वाड्रफनगर के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग, ग्राम पंचायत तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान पाया गया कि आंगनबाड़ी भवन का उपयोग अन्य प्रयोजनों के लिए किया जा रहा था।

नारी शौर्यता एवं बलिदान की प्रतीक रानी दुर्गावती

छुरिया। गत 24 जून को आदिवासी कोयतुर गोंड़ समाज सर्कल बूचाटोला के तत्वावधान में रानी दुर्गावती की 462 वीं बलिदान दिवस कोयतुर गोंड़वाना भवन बूचाटोला में धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि समाज के ब्लाक प्रमुख दिनेश कुरेटी दिलेर रहे।अध्यक्षता सर्कल अध्यक्ष भूषण सलामें ने किया।विशेष अतिथि ब्लाक संरक्षक दिलीप कोरेटी एवं सर्कल संरक्षक भागवत राम पुरामें रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ रानी दुर्गावती के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सेवा अर्जी के साथ हुआ पश्चात अतिथियों का सादा चांवल का टीका लगाकर स्वागत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए दिनेश कुरेटी दिलेर ने कहा कि रानी दुर्गावती नारी शौर्यता एवं बलिदान की प्रतीक है।प्रत्येक नारी को रानी दुर्गावती के बलिदान से प्रेरणा लेना चाहिए।श्री कुरेटी ने रानी दुर्गावती के जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डालकर प्रत्येक गोंड़ियन महिला को रानी दुर्गावती बनने का आव्हान किया।समाज में उच्च शिक्षा के स्तर को बढ़ाने एवं समाज को नशामुक्त बनाने पर बल दिया।श्री कुरेटी ने जल–जंगल–जमीन की रक्षा के साथ अति प्राचीन एवं गौरवशाली गोंड़ी संस्कृति को मूल रूप में बचाये रखने के लिए काम करने का आव्हान किया। घर- परिवार एवं समाज के मामला या विवाद को आपस में बैठकर सुलझाने का आव्हान किया। आयतित बाहरी संस्कृति का नकल करने के बजाय अपने पेन- पुरखों का सेवा अर्जी कर अपने संस्कृति व मातृभाषा गोंड़ी को बचाने पर विशेष जोर दिया। सभा को समाज प्रमुख भूषण सलामें,दिलीप कोरेटी एवं भागवत पुरामें ने संबोधित कर लोगों से सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से एकजुट होकर काम करने का आव्हान किया।

कोटवार के घर पर हमला, तोड़फोड़ और जान से मारने की कोशिश का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

जांजगीर- चांपा। जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम देवरी में कोटवार शांति लाल चौहान ने अपने घर पर हमला किए जाने का आरोप लगाया है। शांति लाल चौहान का कहना है कि बीती रात करीब 9 बजे सरपंच पति के षड्यंत्र के तहत कुछ लोगों ने उनके घर पहुंचकर तोड़फोड़ की, घर में घुसने और जान से मारने की कोशिश की। पीड़ित ने नवागढ़ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। वहीं, इस मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। नवागढ़ ब्लॉक के ग्राम देवरी निवासी एवं गांव के कोटवार शांति लाल चौहान ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार रात करीब 9 बजे तुलसी लाल चौहान, उनके बेटे दुष्यंत चौहान, देवेंद्र चौहान, शिवनारायण चौहान, गीता बाई चौहान सहित 15 से 20 नकाबपोश लोग उनके घर पहुंचे। आरोप है कि आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए टांगी से घर के दरवाजे और खिड़कियों में तोड़फोड़ की तथा घर में घुसकर जान से मारने का प्रयास किया। घटना के बाद पूरा परिवार भयभीत है।

सिर्राभाठा स्कूल में बाल कैबिनेट का गठन किया गया

बालोद। शासकीय प्राथमिक शाला सिर्राभाठा संकुल हल्दी वि खं गुण्डरदेही में उपस्थित बच्चों द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का कैबिनेट गठन किया गया जिसमें प्रधानमंत्री विद्या सिन्हा कक्षा पांचवी उप प्रधानमंत्री पिंकेश साहू कक्षा पांचवी शिक्षा मंत्री तानिया धनकर कक्षा पांचवी उप शिक्षा मंत्री पेमेश्वरी साहू कक्षा पांचवी खेल संस्कृति एवं खाद्य मंत्री युगांत ठाकुर कक्षा पांचवी खेल संस्कृति एवं खाद्य उप मंत्री हेमा धनकर कक्षा चौथी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री सुशांत यादव कक्षा पांचवी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता उप मंत्री भाविका देश लहरे चौथी कृषि एवं पर्यावरण मंत्री खिलेंद्र निषाद कक्षा पांचवी कृषि एवं पर्यावरण उप मंत्री ऐशांत ठाकुर कक्षा चौथी सुरक्षा एवं जनसंपर्क मंत्री देविका निर्मलकर कक्षा चौथी सुरक्षा एवं जनसंपर्क उप मंत्री लाकेश्वरी यादव कक्षा चौथी चुने गए हैं शाला के प्रधान पाठक दिनेश कुमार निषाद एवं सहायक शिक्षक नरेंद्र कुमार ठाकुर तथा रंजना मरकाम व शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष खिलावन सिन्हा उपाध्यक्ष तुलसी साहू शिक्षाविद रूपचंद जैन व सभी सदस्यों ने सभी पदाधिकारीयों को बहुत बहुत बधाई प्रेषित किए है।

आवास सूची पर ग्राम सभा में हंगामा महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत डिलापहरी में 24 जून 2026 को आयोजित ग्राम सभा की बैठक उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास प्लस सर्वे 2.0 (2024) की पात्र हितग्राहियों की सूची में अपना नाम नहीं मिलने से नाराज एक महिला ने ग्राम सभा स्थल पर अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को रोक लिया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। ग्राम पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम सभा में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास प्लस सर्वे 2.0 (2024) में शामिल ग्रामीण परिवारों की सूची का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। इस दौरान सूची का सार्वजनिक रूप से वाचन किया गया। बैठक के दौरान ग्राम डिलापहरी निवासी श्रीमती संतोषी राजपूत ने सूची में अपना नाम नहीं होने पर आपत्ति जताते हुए कारण पूछा। इस पर सरपंच द्वारा बताया गया कि उनका नाम पात्र हितग्राहियों की सूची में शामिल नहीं है। बताया गया कि इस जवाब से असंतुष्ट होकर श्रीमती संतोषी राजपूत ने ग्राम सभा में अभद्र व्यवहार किया और प्रधानमंत्री आवास कब मिलेगा कहते हुए अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ (पेट्रोल) डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल हस्तक्षेप कर उन्हें पकड़ लिया और घटना को गंभीर रूप लेने से रोक दिया। घटना के बाद ग्राम पंचायत के सरपंच ने तत्काल इसकी सूचना अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) राजनांदगांव तथा स्थानीय पुलिस चौकी प्रभारी को दी। मामले की जांच कराई गई, जिसमें यह तथ्य सामने आया कि श्रीमती संतोषी राजपूत के परिवार के नाम पर ग्राम डिलापहरी के वार्ड क्रमांक–01 में दो पक्के मकान दर्ज हैं। इनमें से एक मकान दो मंजिला बताया गया है।

आवास निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, काम शुरू नहीं करने पर प्रथम किस्त की राशि होगी रिकवर : एसडीएम नवागढ़

बेमेतरा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं एसडीएम नवागढ़ ने हितग्राहियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जिन पात्र हितग्राहियों के खातों में आवास निर्माण की प्रथम किस्त की राशि जारी की जा चुकी है, लेकिन उनके द्वारा अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, वे तत्काल निर्माण शुरू करें।

एसडीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराना है। शासन द्वारा हितग्राहियों के खातों में समय पर राशि उपलब्ध कराई जा रही है, इसलिए राशि प्राप्त होने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करना गंभीर लापरवाही की श्रेणी में माना जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन हितग्राहियों द्वारा तत्काल निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया जाएगा, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करते हुए खाते में जारी प्रथम किस्त की राशि की वसूली (रिकवरी) की जाएगी। साथ ही ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी।

एसडीएम ने जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों, सचिवों, रोजगार सहायकों तथा संबंधित अमले को निर्देशित किया है कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में स्वीकृत आवासों की नियमित समीक्षा करें तथा प्रत्येक हितग्राही से संपर्क कर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें। जिन हितग्राहियों द्वारा बिना उचित कारण के कार्य प्रारंभ नहीं किया जा रहा है, उनकी सूची तैयार कर राशि वसूली की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ की जाए। उन्होंने हितग्राहियों से अपील की कि वे शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना का पूरा लाभ उठाते हुए अपने पक्के घर के निर्माण कार्य को बिना विलंब शुरू करें और निर्धारित समय–सीमा में निर्माण पूर्ण कर योजना के उद्देश्य को सफल बनाने में सहयोग दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी प्रकरणों की सतत निगरानी की जाएगी।

मदराकुही उपस्वास्थ्य केंद्र होगा सुरक्षित जाली तार फेंसिंग के लिए ?1 लाख मंजूर

खैरागढ़ । जिला पंचायत क्षेत्र जालबांधा के ग्राम मदराकुही स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने जा रहा है। उपस्वास्थ्य केंद्र की सुरक्षा एवं परिसर को व्यवस्थित करने के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास (छ्रस्नन्न) मद से जाली तार फेंसिंग हेतु ?1 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। इस स्वीकृति का श्रेय जिला पंचायत सदस्य शाताक्षी देवव्रत सिंह द्वारा लगातार किए गए प्रयासों को दिया जा रहा है। उपस्वास्थ्य केंद्र के चारों ओर किसी प्रकार की घेराबंदी नहीं होने के कारण यहां प्रतिदिन आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता था। विशेष रूप से बारिश के मौसम में यह परिसर मवेशियों का स्थायी ठिकाना बन जाता था। इससे परिसर में गंदगी फैलती थी और सफाई कर्मचारियों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों को भी असुविधा तथा असुरक्षा की स्थिति का सामना करना पड़ता था। स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार इस समस्या को उठाया था। जिला पंचायत सदस्य शाताक्षी देवव्रत सिंह ने भी लगातार जिला प्रशासन के समक्ष इस मांग को प्रमुखता से रखा। अंततः प्रशासन ने समस्या की गंभीरता को देखते हुए फेंसिंग निर्माण के लिए ?1 लाख की स्वीकृति प्रदान कर दी।

फेंसिंग बनने के बाद उपस्वास्थ्य केंद्र परिसर पूरी तरह सुरक्षित होगा। मवेशियों का प्रवेश रुकेगा, परिसर की नियमित साफ–सफाई बनाए रखना आसान होगा तथा मरीजों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और स्वास्थ्य कर्मियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिलेगा। इससे स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में भी सकारात्मक सुधार आने की उम्मीद है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य शाताक्षी देवव्रत सिंह ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं के विकास और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए उनके प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

जन्मभूमि से कर्मभूमि में प्रशिक्षण में हैदराबाद के लिए रवाना हुई अग्निवीर अनिल देशमुख

बालोद । गुण्डरदेही ब्लाक के ग्राम चीरचार के अनिल देशमुख पिता राजेंद्र कुमार देशमुख का अग्निवीर में चयन हुआ प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद रवाना हुआ प्रशिक्षण में रवाना होने के पहले ग्रामीण जन परिवार के सदस्यों ईस्ट मित्रो ने हार फूल माला गुलाल चंदन, मुंह मीठा करके ससम्मान बिदा किया गांव में अनिल के अग्नि वीर में चयन होने से खुशी का जश्न रहा ग्रामीण पूर्व सरपंच चुकेश साहू, पंच राम देशमुख, तुम्मन चंद्राकार, मुकेश देशमुख, रामजी देशमुख, हिमांशु देशमुख, राहुल देशमुख, चम्मन देशमुख, प्रदीप देशमुख, कीर्तन देशमुख, केजू देशमुख, वेद देशमुख, दीपचंद्र विजय देशमुख, आनंद साहू, खिलावन देशमुख, दीपचंद निषाद, उमाशंकर निषाद , गजानंद निषाद, हेमू राम साहू आदि ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कर हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा 6वां स्थापना दिवस

राजनांदगांव । शहर के वार्ड नंबर 1 स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर 5 जुलाई को अपना 6वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। इस अवसर पर शक्तिधाम महाकाली मंदिर के प्रधान संस्थापक व मुख्य पुजारी गुरुदेव हरीश यादव के मार्गदर्शन में विशाल रक्तदान के साथ ही वृक्षारोपण व निःशुल्क आयुर्वेदिक परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी भी अपनी सेवा देंगे। साथ ही सामाजिक समरसता का संदेश देने सभी समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया जायेगा।

ज्ञात हो कि शहर के वार्ड नंबर 1 बाबुटोला स्थित प्रसिद्ध शक्तिधाम मां महाकाली मंदिर का 6वां स्थापना दिवस 5 जुलाई को मनाया जा रहा है। शक्तिधाम के संस्थापक हरीश यादव ने बताया कि मंदिर के स्थापना दिवस पर प्रत्येक वर्ष हमारी जनसेवा संस्था शक्तिधाम धर्मार्थ सेवा समिति द्वारा कुछ न कुछ जनसेवा के कार्य आयोजित करती आयी है। हमारी संस्था का मूल उद्देश्य सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाए के चरितार्थ पिछले वर्षो में भी रक्तदान, वृक्षारोपण का आयोजन किया गया,ए जहां प्रदेश के दूसरे जिले से भी बड़ी संख्या में भक्तगण रक्तदान करने पहुंचे थे। हमारी सेवा संस्था द्वारा ग्रीष्म में रेल यात्रियों को शीतल पानी पिलाना, वृद्धा आश्रम में भोजन सेवा, अभिलाषा मुकबधिर शाला में लेखनी सामग्री वितरण सहित स्टेशनों व फुटपाथ में रहने वालों को आवश्यक सामग्री भेंट कर सेवा किया जाता रहा है। यादव ने बताया कि इस वर्ष 5 जुलाई को शक्तिधाम के स्थापना दिवस पर विशाल रक्तदान का आयोजन किया जा रहा है वहीं वृक्षारोपण भी किया जायेगा।

नेपाल भारत पर्यटन को बढावा हेतु मिली नई दिशा : जिला होटल व्यवसायी संघ काठमांडू की महत्वपूर्ण बैठक

चाम्पा। काठमांडू (नेपाल) नेपालङ्कभारत के बीच पर्यटन, धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत एवं जनसंपर्क को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में काठमांडू में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला होटल व्यवसायी संघ,यूज़ बनाते समय, जिला होटल व्यवसायी संघ काठमांडू के विशेष निमंत्रण पर नेपाल पहुंचे इंडो नेपाल टूरिज्म वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक एवं वरिष्ठ भारतीय पत्रकार डॉ. जतिन्दरपाल सिंह तथा पंकज रंजीत के साथ नेपाल के होटल एवं पर्यटन क्षेत्र के प्रमुख व्यवसायियों ने विस्तृत विचार-विमर्श किया। एयरपोर्ट क्षेत्र स्थित रॉयल बुटीक होटल में आयोजित इस गरिमामयी बैठक में नेपालङ्कभारत पर्यटन सहयोग को और अधिक सशक्त बनाने, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने तथा नेपाल के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विस्तार से चर्चा हुई। नेपाली पर्यटन व्यवसायियों ने भारतीय मीडिया की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए भविष्य में दोनों देशों के बीच पर्यटन संबंधों को और मजबूत करने पर बल दिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला होटल व्यवसायी संघ, काठमांडू के अध्यक्ष सुरेश बराल ने कहा कि नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों के लिए गुणवत्तापूर्ण होटल, स्वादिष्ट भोजन, सुरक्षित आवास, सुविधाजनक यात्रा तथा पर्यटन से जुड़ी सभी आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराना होटल उद्योग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय पर्यटकों को नेपाल में बेहतर आतिथ्य और विश्वस्तरीय सेवाएँ प्रदान करने के

लिए होटल व्यवसायी पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। बैठक के दौरान नेपाल के धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की असीम संभावनाओं पर गंभीर चर्चा हुई। होटल एवं पर्यटन व्यवसायियों ने भारतीय पत्रकारों द्वारा भारत में नेपाल के पर्यटन, धार्मिक स्थलों एवं सांस्कृतिक धरोहरों का निरंतर प्रचार-प्रसार करने के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस अभियान को और व्यापक बनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर डॉ. जतिन्दरपाल सिंह एवं पंकज रंजीत ने पूर्वी नेपाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों इलाम, भेडेटार, श्रीअन्तु और रामधुनी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि नेपाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि कम दूरी में ही पर्यटक पर्वत, हरियाली, झीलें, धार्मिक स्थल, सांस्कृतिक विरासत तथा विविध जलवायु का अद्भुत अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। यही विशेषता नेपाल को भारतीय पर्यटकों के लिए एक अत्यंत आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाती है। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंध दोनों देशों की साझा धरोहर हैं।

प्रशासन आपके द्वार' : प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों के लिए लगा विशेष शिविर

सुकमा । जिले के दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्र जगरगुंडा में जिला प्रशासन ने प्रशासन आपके द्वार की भावना को साकार करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों के लिए दो दिवसीय विशेष डीबीटी लिंक शिविर का आयोजन 23 जून और 25 जून को किया गया। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य उन हितग्राहियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है, जिनकी आवास किश्त की राशि डीबीटी लिंक या केवाईसी संबंधी कारणों से लंबित थी।

शिविर के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, बैंक प्रतिनिधियों और ग्राम पंचायत के सचिवों की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर ही हितग्राहियों के दस्तावेजों का

सत्यापन, डीबीटी लिंक और केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस पहल से ग्रामीणों को बैंक और कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिली है, वहीं लंबित भुगतान की प्रक्रिया भी तेज हुई है। विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में प्रशासन की यह सक्रिय उपस्थिति लोगों के बीच भरोसा और विश्वास मजबूत करने का काम कर रही है। जिला प्रशासन का यह अभिनव प्रयास शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण में तेजी लाने और हितग्राहियों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। जगरगुंडा जैसे दूरस्थ अंचल में पहुंचकर प्रशासन ने एक बार फिर यह साबित किया है कि जनसेवा और सुशासन उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मेड़ पर लगाए थे कुछ पौधे... आज हर साल 2.5 लाख की कमाई

रायपुर। रायगढ़ के किसान अरुण सॉ ने अनानास की खेती से बदली तकदीर, बने प्रेरणा स्रोतकभी खेत की मेड़ पर शौक से लगाए गए कुछ अनानास के पौधों ने रायगढ़ के एक किसान की जिंदगी बदल दी। सकरबोगा पंचायत के ग्राम साल्हेओना निवासी प्रगतिशील किसान अरुण कुमार सॉ आज दो एकड़ में अनानास की खेती कर सालाना 2 से 2.5 लाख रुपये तक की अतिरिक्त आय कमा रहे हैं। उनकी सफलता अब क्षेत्र में कृषि नवाचार और विविधीकरण की मिसाल बन गई है।

'शौक से शुरू हुआ, बना व्यावसायिक मॉडल' अरुण सॉ पहले धान समेत पारंपरिक फसलें उगाते थे। वर्षों पहले घरेलू उपयोग के लिए उन्होंने मेड़ पर कुछ अनानास के पौधे लगाए। पौधों की अच्छी बढ़वार और फलों की गुणवत्ता देखकर उन्होंने खेती का दायरा बढ़ाया। पौधों से निकलने वाले प्ररोहों को अलग कर दोबारा रोपने का सिलसिला चलता रहा। कृषि विभाग के अधिकारियों से मिले तकनीकी मार्गदर्शन ने उनका हौसला बढ़ाया। धीरे-धीरे यह प्रयोग दो एकड़ के बगीचे में बदल गया। आज उनके खेत में आम और अमरूद के बीच कतारबद्ध अनानास के पौधे बहुफसली खेती का सफल उदाहरण पेश करते हैं।

'कम लागत, बेहतर मुनाफा' अनानास की खेती की सबसे बड़ी खासियत कम लागत है। इसमें खाद, कीटनाशक और सिंचाई की जरूरत कम होती है, जिससे उत्पादन खर्च नियंत्रित रहता है। वहीं बाजार में मांग लगातार बनी रहती है। अरुण सॉ के खेत में तैयार हर फल गुणवत्ता के हिसाब से 40 से 80 रुपये तक बिकता है।

अधूरी नाली निर्माण से वार्डवासियों की बढ़ी परेशानी,बारिश में जलभराव से होगा लोगो को प्रभावित

गरियाबंद । नगर के वार्ड नंबर सात में लगभग आठ लाख रुपये की लागत से बनने वालु नाली निर्माण कार्य में गड्ढा कर अधूरा छोड़ दिए जाने से वार्ड के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात शुरू होते ही सड़क और गलियों में पानी जमा होने लगा है,जिससे उस वार्ड के लोग प्रभावित हो रहे है और रहवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। वार्डवासियों का कहना है कि नाली निर्माण का कार्य कई दिनों पहले शुरू किया गया था,लेकिन अब तक इसे पूरा नहीं किया गया है।निर्माण सामग्री और खुदी हुई नालियां जगह-जगह पड़ी हुई हैं, जिससे बारिश का पानी निकासी नहीं होने के कारण सड़कों पर भर रहा है। कई घरों के सामने जलभराव की स्थिति बन गई है,जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बाजार अतरिया में पहली बार धूमधाम से मनाया जाएगा सदगुरु कबीर साहब का 628वां प्राकट्य उत्सव

खैरागढ़ । खैरागढ़ विकासखंड के बाजार अतरिया में इस वर्ष पहली बार सदगुरु कबीर साहब के 628वें प्राकट्य उत्सव का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ किया जाएगा। यह आयोजन 29 जून 2026 सोमवार को सदगुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन, आमीन माता महिला मंडल,नवयुवक मंडल एवं समस्त क्षेत्रवासियों के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा।

आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 8 बजे गुरु महिमा पाठ से होगी। इसके बाद सुबह 11 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सत्यनाम धुन, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं की सहभागिता आकर्षण का केंद्र रहेगी। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी और सदगुरु कबीर साहब के मानवता, प्रेम, भाईचारा, सद्भाव, नशामुक्ति, तनावमुक्त

जीवन तथा आदर्श समाज निर्माण के संदेश का प्रसार करेगी। आयोजकों ने बताया कि सदगुरु कबीर साहब की शिक्षाएं आज भी समाज के लिए उतनी ही प्रासंगिक हैं। उनका संदेश आपसी प्रेम, समानता, सदाचार और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ-साथ परिवारों में सुख-शांति स्थापित करने की प्रेरणा देता है। इसी उद्देश्य से प्राकट्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग उनके विचारों से प्रेरित हो सकें। उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विशाल भोजन-भंडारे की भी व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं, कबीर प्रेमियों एवं आमजन से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने तथा सदगुरु कबीर साहब के मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की है।

तकनीकी रूप से सशक्त कार्यकर्ता ही बदलती राजनीतिक व्यवस्था और नए भारत की रीढ़ होगा : चेमन देशमुख

बालोद । भारतीय जनता पार्टी बालोद के जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने कहा है कि पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत पार्टी अपने प्रत्येक कार्यकर्ता को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस महाभियान के अंतर्गत शुरू किए गए विशेष %डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म% के माध्यम से कार्यकर्ताओं को तेजी से डिजिटल बनाने और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है।

जिला भाजपा महामंत्री एवं डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म कार्यक्रम के जिला प्रभारी श्री राकेश छोटू यादव ने कहा कि आज का युग सूचना और संचार क्रांति का युग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करते हुए भाजपा अपने संगठन को भी पूरी तरह हाईटेक कर रही है। इस डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का मुख्य उद्देश्य हमारे जमीनी कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाना है, ताकि वे सरकारी योजनाओं और पार्टी की विचारधारा को जनता के बीच अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकें। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से गाँव और बूथ

स्तर का कार्यकर्ता भी अपने मोबाइल फोन के जरिए सीधे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। कार्यकर्ताओं को पार्टी के गौरवशाली इतिहास, अंत्योदय के सिद्धांत, देशहित की नीतियों और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी ऑडियो-वीडियो और डिजिटल कंटेंट के रूप में दी जा रही है। इसी तरह, कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया के सही और सकारात्मक उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे विपक्ष के

भ्रामक प्रचार और अफवाहों का तथ्यपूर्ण जवाब भी डिजिटल माध्यमों पर दे सकें। भाजपा एक जीवन्त राजनीतिक संगठन है जो समय के साथ निरंतर खुद को अपग्रेड करता है। इस डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म से प्रशिक्षित होकर हमारे कार्यकर्ता आने वाले समय में संगठन के कार्यों को और अधिक गति देंगे तथा जनता और सरकार के बीच एक मजबूत, आधुनिक सेतु के रूप में कार्य करेंगे। इस अभियान से अधिक-से-अधिक कार्यकर्ताओं को जुड़ने का आह्वान।

अनावश्यक 10 करोड़ के रीजेंट की खरीदी क्यों की गयी, अंबेडकर अस्पताल का निर्माण टेंडर क्यों अटका है : आम आदमी पार्टी

रायपुर, । आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय,प्रदेश अध्यक्ष, कर्मचारी विंग विजय कुमार झा,प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन सिंह द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप नेताओं ने बताया कि छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में पिछले सरकार के दौरान हुए 440 करोड़ के बहुचर्चित मोक्षित रीजेंट स्कैम के बाद अब पैसों की खुली बर्बादी का नया खेल चालू हो गया है मामला रीजेंट (खून जाँचने का केमिकल) की खरीदी से जुड़ा है। एक तरफ स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश की सरकारी अस्पतालों की पैथोलॉजी लैब को इसी जून महीने से एक निजी एजेंसी एचएलएल को सौंपना शुरू कर दिया है, एचएलएल कंपनी को 5 साल के लिए ठेका दिया गया है,तो क्यों दूसरी कंपनी से 10 करोड़ का रीजेंट खरीदा गया? जब विभाग को पता है की नई कंपनी नई मशीनें लगाएगी तो यह रीजेंट उसमें काम नहीं आएगा। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि निश्चित ही इस खरीदी में सीजी एमएससी और स्वास्थ्य

विभाग के अफसर की मिली भगत है और इसमें भ्रष्टाचार हुआ है। आप नेताओं के कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केदो और प्राथमिक स्वास्थ्य केदो जहां पर पैथोलॉजी लैब (हमर लैब) संचालित हो रही है सरकार उसे अगले 6 महीने में बंद करने जा रही है। तो क्या है छत्तीसगढ़ के शहरी और ग्रामीण इलाकों की आम जनता के स्वास्थ्य को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाएगा। आप नेताओं ने प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल के 700 बिस्तरों वाले नए अस्पताल भवन के निर्माण में हो रही लगातार देरी को लेकर राज्य सरकार और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाया है। राज्य सरकार ने दो वर्ष पूर्व 231 करोड़ रुपये की लागत से छह मंजिला अत्याधुनिक अस्पताल भवन बनाने की घोषणा की थी। तो सरकार ने अभी तक टेंडर प्रक्रिया पूरी क्यों नहीं की? प्रदेशभर से हजारों मरीज प्रतिदिन अंबेडकर अस्पताल पहुंचते हैं। हाल के महीनों में एम्स से भी बड़ी संख्या में मरीज यहां रेफर किए जा रहे हैं।

विद्युत कटौती बंद नहीं हुई तो कांग्रेस कार्यकर्ता करेंगे बिजली दफ्तर का घेराव: विधायक इन्द्र साव

भाटापारा । क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं को ना तो पूरी बिजली मिल रही है और ना किसानों को अपनी फसल के लिए बोर पंप के लिए पर्याप्त बिजली मिल रही है वही राज्य की भाजपा सरकार बिजली दरों में लगातार वृद्धि कर आम लोगों को दोहरी मार मारने में आमदा है,अगर 3 चार दिनों के भीतर व्यवस्था में सुधार नहीं आया तो कांग्रेसजन विद्युत दफ्तर का घेराव करेंगे,उक्त बाते क्षेत्र के कांग्रेस विधायक इन्द्र साव ने इस प्रतिनिधि से चर्चा के दौरान कही।

विधायक इन्द्र साव ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की विष्णुदेव साय सरकार ने आम जनता, किसानों और छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता पहले ही

महंगाई से परेशान है, ऐसे में बिजली दरों में वृद्धि कर सरकार ने लोगों को 440 वोल्ट का झटका दिया है। उन्होंने आरोप लागाया कि भाजपा सरकार के शासनकाल में बिजली आपूर्ति की स्थिति कमजोर हुई है, जबकि उपभोक्ताओं के बिल लगातार बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बढ़ी हुई बिजली दरों का पुरजोर विरोध करती है और जनता की आवाज बनकर संघर्ष जारी रखेगी। विधायक श्री साव ने कहा कि बिजली दर वृद्धि से आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों और छोटे व्यवसायियों की आर्थिक परेशानियां बढ़ेंगी, राज्य सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह विफल रही है। विधायक साव ने आगे चर्चा में बताया कि प्रदेश में विद्युत की बढ़ी दरों का वापस नहीं लिया जाता है और व्यापारियों,किसानों को नियमित बिजली सप्लाई नहीं की जाती है और विद्युत व्यवस्था में आगामी 3 चार दिनों में सुधार नहीं लाया जाता है तो यहां के कांग्रेस कार्यकर्ता आम जनता किसानों के हितों के लिए विद्युत दफ्तर का घेराव करेंगे।

5 जुलाई तक खरीफ फसल बोनी के लिए नहीं हुई बारिश तो घट जाएगा धान का रकबा

बमेतरा । कृषि प्रधान जिले में मानसून की बेरुखी अब किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रही है। जून माह समाप्ति की ओर है, लेकिन अब तक पर्याप्त बारिश नहीं होने से खरीफ सीजन की खेती प्रभावित होती नजर आ रही है। समय पर वर्षा नहीं होने के कारण धान की बोनी पिछड़ रही है, जबकि कई स्थानों पर धान की नर्सरी में तैयार पौधे सूखने लगे हैं। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो इस वर्ष धान का रकबा काफी घट सकता है और जिले में अकाल जैसी स्थिति बनने की आशंका से इनकार नहीं किया जा

सकता।किसानों का मानना है कि इस वर्ष अल नीनो जैसे मौसमीय प्रभावों के कारण मानसून कमजोर दिखाई दे रहा है। लगातार बारिश नहीं होने से खेतों में पर्याप्त नमी नहीं बन पा रही है, जिससे बुआई का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं, लेकिन मौसम का मिजाज लगातार निराश कर रहा है।

दिन में तेज धूप और भीषण गर्मी का दौर जारी

सुबह से ही तेज धूप अंचल में शुरू हो जाता है जो की दिन में अधिक तेज धूप की वजह से खेती किसानी का काम पूरी तरह से बंद पड़ा हुआ है और किसान घर में हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। भीषण गर्मी के कारण खेती किसानी का काम जिले में पूरी तरह से बंद पड़ा हुआ है। जिले में दिन का तापमान 41से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। रात में भी गर्म हवाएं चलने से नर्सरी वाले खेतों की नमी तेजी से समाप्त हो रही है। इसका सीधा असर धान की नर्सरी पर पड़ रहा है। जिन किसानों ने समय रहते नर्सरी तैयार कर ली थी, उनके पौधे अब पानी के अभाव में मुरझाने लगे हैं। यदि जल्द वर्षा नहीं हुई तो दोबारा नर्सरी तैयार करना भी मुश्किल हो सकता है।

कृषि विभाग का दावा 15 जुलाई तक कर सकते हैं धान की बोनी कृषि एसडीओ श्यामलाल साहू का कहना है कि धान की बोनी के लिए 15 जुलाई तक का समय उपलब्ध है और किसान धैर्य रखें। धान बीज की नई वैरायटी 1010 एवं विक्रम टी सी आर 120 की अवधि का धान है जो की अल्प वर्षा में भी सहायक होता है हालांकि किसानों का कहना है कि हर दिन की देरी उत्पादन पर असर डालेगी। किसानों का मानना हैं कि समय पर बोनी नहीं होने से उपज में कमी आ सकती है और लागत बढ़ने की संभावना रहती है।

सक्ती जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोकथाम के लिए ड्रोन सर्वे कर की गई कार्यवाही...

सक्ती (महाकोशल)। संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म एवं कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में खनिज विभाग उड़नदस्ता द्वारा जिले में रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की जांच के लिए ड्रोन सर्वे कराया गया। कार्यवाही के दौरान ग्राम पंचायत पिसौद एवं बरेकेल खुर्द में अवैध रेत भंडारण की जांच की गई। ड्रोन के माध्यम से सर्वे कर भंडारित रेत की मात्रा का आकलन किया जा रहा है। इसके साथ ही करही, डोटमा, मिरौनी आदि क्षेत्रों की नदियों में भी ड्रोन सर्वे कर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इस संबंध में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015, खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज भंडारण नियम 2009 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर खनिज अमले द्वारा सतत निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है।

मानवीय मूल्यों के पतन का 'आसान शिकार' महिलाएं

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियां किस तरह मूल्यों को तहस-नहस करके किसी व्यक्ति को पतन की ओर ले जाती हैं और कैसे किसी एक की बदहाली किसी अन्य के लिए अवैध कमाई का 'मौका' बन जाती है, इसे समझने के लिए दिल्ली के रोहिणी स्थित एक अस्पताल की करतूत को देखा जा सकता है। दिल्ली पुलिस ने शिशुओं की तस्करी करने वाले रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह रैकेट राजस्थान-गुजरात सहित देश के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में जरूरत की मारी महिलाओं को अपना बच्चा बेचने के लिए प्रोत्साहित करता था तो निःसंतान दंपतियों को बच्चा खरीदने के लिए भी। पूरी प्रक्रिया में महिला डॉक्टर ऐसे निःसंतान दंपतियों को असली माता-पिता साबित करने के उद्देश्य से अपने %हीरा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल% का इस तरह इस्तेमाल कर रही थी कि सारे कागजी सबूत खरीदे गए शिशुओं को वैध साबित कर सके और बांझ महिलाओं को सामाजिक तानों से भी बचा सके। देखने वाली बात तो यह भी है कि कैसे आम नागरिक की थोड़ी-सी सजगता अपराध के संगठित नेटवर्क को नेस्तनाबूद कर सकती है।

पहाड़गंज रेलवे स्टेशन क्षेत्र में एक आम नागरिक ने एक महिला को एक शिशु के साथ जाते देखा था और दो सप्ताह के बाद उसी को किसी दूसरे शिशु के साथ जाते देखा तो संदेह हुआ और उसने पुलिस को सतर्क कर दिया। पुलिस ने महज 15 दिन बाद बड़े रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया। तेरह लोगों को गिरफ्तार कर पांच शिशुओं को बचा लिया गया। आशंका है कि अब तक 30 शिशुओं की तस्करी हो चुकी है। जांच में सामने आया कि रैकेट से जुड़े लोग संतान के लिए तरस रहे जोड़ों की पहचान के लिए आइवीएफ केंद्रों और फर्टिलिटी क्लीनिकों पर नजर रखते थे। इन जोड़ों को शिशुओं की पेशकश के साथ-साथ धोखाधड़ी का तरीका भी सिखाते थे। ऐसी महिलाएं अपने नाते-रिश्तेदारों के सामने गर्भवती होने का नाटक करती थीं और अस्पताल में उनकी औपचारिक फाइल खुल जाती थी। सारे कागजी सबूत असली की तरह तैयार किए जाते और समय आने पर तस्करी से लाए गए शिशु उन्हें सौंप दिए जाते।

इस पूरे प्रकरण में दो अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में निवास करने वाली महिलाओं की त्रासदी को संवेदनशील नजरिए से देखने की जरूरत है। एक तरफ पढ़ी-लिखी संभ्रांत और धनी परिवार की महिलाएं हैं जिन्हें कथित बांझपन के उलाहने से इतना डर लगता है कि इससे मुक्ति के लिए उन्हें आपराधिक षड्यंत्र में शामिल होना भी मंजूर है। दूसरी तरफ, गरीब और अनपढ़ आदिवासी महिलाएं हैं जिन्हें अपने कलेजे के टुकड़े को किसी और के हवाले करने से भी परहेज नहीं है। अपने गर्भ में पल रहे अजन्मे की बोली लगाने के उनके निर्णय में कहीं न कहीं बच्चे का भविष्य सुरक्षित रखने की ममता भी शामिल है। यह कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए कि दोनों ही पृष्ठभूमि की महिलाएं मानवीय मूल्यों के पतन का आसान शिकार हैं।

कारखानों में सुरक्षा की अनदेखी से जा रही कामगारों की जान

एक तरफ देश को विकसित देश बनाने का सपना देखा जा रहा है, दूसरी तरफ भारत के कारखानों के हालात श्रमिकों के लिए युद्धक्षेत्र जैसे नजर आते हैं। औद्योगिक दुर्घटनाओं में कामगार अपनी जान गंवा रहे हैं। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक फैक्ट्री में अमोनिया गैस के रिसाव के कारण श्रमिकों की मौत का ताजा मामला भी इसी बात की पुष्टि कर रहा है। पिछले दिनों विशाखापत्तनम में एक इस्पात संयंत्र में हुए धमाके में भी नौ श्रमिक मारे गए थे। छत्तीसगढ़ में वेदांता पावर प्लांट के बॉयलर विस्फोट में करीब दो दर्जन कामगारों की मौत का मामला भी पुराना नहीं है। देश के विभिन्न भागों में पटाखों की वैध और अवैध फैक्ट्रियों में विस्फोट का सिलसिला भी रुकने का नाम नहीं ले रहा। इन हादसों की कड़ी में याद कीजिए 2019 में दिल्ली की एक फैक्ट्री में हुआ वह भयावह अग्निकांड, जिसमें 43 श्रमिक सोते हुए आग की भेंट चढ़ गए थे। इन हादसों की पृष्ठभूमि देखें तो एक पैटर्न साफ नजर आता है। कारखानों में बुनियादी सुरक्षा उपायों की अनदेखी हो रही है। भोपाल गैस त्रासदी की यादें अब भी ताजा हैं। 1984 में हुए इस भीषण हादसे ने हजारों परिवारों को तबाह कर दिया था, लेकिन कारखानों में आज भी उसी तरह की लापरवाही बरकरार है। खतरनाक रसायनों का असुरक्षित भंडारण, अपर्याप्त वेंटिलेशन और रखरखाव में लापरवाही जैसी समस्याएं नई नहीं हैं, लेकिन इनकी अब भी अनदेखी की जा रही है। विशाखापत्तनम में हुए हादसे के बाद ट्रेड यूनियनों और पूर्व कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि संयंत्र में उपकरण पुराने हो गए थे। रखरखाव में लापरवाही के साथ ठेके पर रखे गए कर्मचारियों पर निर्भरता बढ़ गई थी। यह वाकई चिंता की बात है कि आजकल खर्च बचाने के लिए ठेके पर कर्मचारी रखने को प्राथमिकता दी जाती है। सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। इन कर्मचारियों को पैसा तो कम दिया ही जाता है, उनकी सुरक्षा के मामले में भी हद दर्जे की लापरवाही बरती जाती है। दुनिया के विकसित देशों से तुलना करें तो हमारी स्थिति बहुत ही शर्मनाक है। विकसित देश हादसों से सबक लेते हैं। जैसे 1976 में इटली के सेवेसो में हुए रासायनिक रिसाव के बाद पूरे यूरोपीय संघ के औद्योगिक सुरक्षा ढांचे को नया रूप दिया गया। उसके बाद 2019 से 2022 तक ईयू में औद्योगिक दुर्घटनाओं का वार्षिक औसत महज 22 रहा। वहां हादसे के बाद जांच समितियां केवल खानापूर्ति के लिए गठित नहीं होती हैं, सख्त कार्रवाई होती है और जिम्मेदारों को सजा मिलती है। दूसरी तरफ भारत में हादसों से सबक लेने की जैसे परंपरा ही नहीं है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन भारत को श्रमिकों के लिए सबसे ज्यादा जोखिम वाले देशों में शुमार करता है। नवंबर 2017 में ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि भारत में हर साल काम के दौरान होने वाले हादसों में करीब 48,000 लोग अपनी जान गंवाते हैं। यह अलग बात है कि भारत सरकार के महानिदेशक कारखाना सलाह सेवा और श्रम संस्थान के आंकड़े बताते हैं कि 2017 से 2020 के बीच पंजीकृत कारखानों में हर साल औसतन 1,109 मौतें हुईं। इन दोनों आंकड़ों में इतना बड़ा अंतर होने का मुख्य कारण यह है कि सरकारी आंकड़े केवल पंजीकृत कारखानों के हैं। भारत के अधिकांश मजदूर असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र में काम करते हैं, जहां सुरक्षा की व्यवस्था बहुत खराब है और दुर्घटनाओं की सूचना ही नहीं मिलती। ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल के अनुसार, कुल मौतों में से सबसे ज्यादा, यानी करीब 24 प्रतिशत मौतें अकेले निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों की होती हैं। यह रिपोर्ट करीब आठ वर्ष पुरानी है, लेकिन अब भी हालात में खास परिवर्तन नहीं हुआ है। ऑटोमोबाइल (कारों, ट्रकों, मोटरसाइकिलों) के लिए आवश्यक कलपुर्जे बनाने वाले ऑटो एंसिलरी उद्योग को तो दुर्घटनाओं का हॉटस्पॉट माना जाता है, वहां हाथ-पैर गंवाने वाले मजदूरों की तादाद बहुत ज्यादा है।

भारत की 90 प्रतिशत श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, लेकिन वहां मजूदरों की सुरक्षा के नाम पर कुछ नहीं है। यहां मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के काम करते हैं। औपचारिक क्षेत्र में भी ज्यादातर हादसे रिपोर्ट ही नहीं होते। नियोक्ता, पुलिस और अस्पताल मिलकर मामले को रफा-दफा कर देते हैं। यह स्थिति सिस्टम की गहरी खामी को दर्शाती है। ये हादसे परिवारों को तबाह करते हैं। मजदूरों की मौत से बच्चे अनाथ और महिलाएं विधवा हो जाती हैं। अनौपचारिक श्रमिकों के पास बीमा भी नहीं होता। ऐसी हालत में इनके परिवार भुखमरी का शिकार होते हैं। हादसे के बाद कारखाने पर भी असर पड़ता है। अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है, इसलिए कारखानों में सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देना मजदूरों ही नहीं उद्योगपतियों और पूरे देश के हित में है। असल में हमारी सामूहिक चेतना में आम लोगों के

जन विश्वास से सुगम होता जीवन

भारत की नियामकीय प्रणाली हमेशा दुविधा की मानसिकता के साथ काम करती थी और अक्सर छोटी प्रक्रियागत त्रुटियों या केवल आरोपों के कारण नागरिकों को कड़े दुष्परिणाम भुगतने पड़ते थे। मोदी सरकार ने प्रत्येक नागरिक के लिए विश्वास, सहानुभूति और सम्मान में निहित शासन को बढ़ावा देते हुए एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों और व्यवसायों का समर्थन करने, अनुपालन को सरल बनाने और व्यवसायों के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयों का संज्ञान लेते हुए भारत के कानूनी परिदृश्य में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। चाहे अनुपालन बोझ घटाना हो, डिजिटलीकरण बढ़ाना हो, या एकल-खिड़की मंजूरी हो, कुल मिलाकर बदलाव का मकसद शासन को अधिक तर्कसंगत और कुशल बनाना रहा है।

प्रधानमंत्री का विश्वास और सहानुभूति पर आधारित शासन का मंत्र स्पष्ट रूप से जन विश्वास अधिनियम, 2026 और 2023 के इसी तरह के एक कानून में दिखाई देता है। नागरिक-अनुकूल नियामकीय परिवेश बनाने और अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए नया कानून मामूली अपराधों से निपटने के लिए स्पष्ट सिद्धांत अपनाता है- दंड से पहले चेतावनी देना, अपराध की गंभीरता के अनुसार जुर्माना तय करना, त्वरित एवं पारदर्शी समाधान और जुर्माने का एक गतिशील ढांचा, जिसमें समय-समय पर संशोधन होता हो, ताकि नियम लागू करने का तरीका प्रभावी, प्रासंगिक और समय के साथ उत्तरदायी बना रहे। यह दृष्टिकोण, अनुपालन और प्रवर्तन के तरीके में एक बड़ा बदलाव है, जो प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि 21वीं सदी के भारत की आकांक्षाएं औपनिवेशिक शासन के पुराने तरीकों के माध्यम से पूरी नहीं हो सकतीं।

इस सुधार का पैमाना अभूतपूर्व है। जन विश्वास अधिनियम 23 मंत्रालयों के 79 केंद्रीय कानूनों से जुड़े 784 प्रविधानों को संशोधित करता है। यह लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए 717 प्रविधानों को अपराधमुक्त करता है और 67 प्रविधानों को तर्कसंगत बनाता है। यह स्वतंत्र भारत के विधायी इतिहास में सबसे बड़ी अपराधमुक्ति पहल है। यह 1,000 से अधिक अपराधों को तर्कसंगत बनाता है। पुराने अप्रचलित अपराधों को समाप्त कर आपराधिक न्यायालयों के बाहर निर्णय और अपील की व्यवस्था को मजबूत करता है। पूर्व की व्यवस्था में किसी घर, इमारत या वाहन में सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच उपस्थिति को लेकर संतोषजनक जवाब न देने पर किसी व्यक्ति को तीन महीने तक की जेल हो सकती थी।

औपनिवेशिक काल में सामान्य आवाजाही की संदेह की दृष्टि से देखे जाने वाले इस प्रविधान को समाप्त कर दिया गया है। पहले किसी के ड्राइविंग लाइसेंस की समयसीमा समाप्त होने के तुरंत बाद गाड़ी चलाते पकड़े जाने पर उसे अपराध की दृष्टि से देखा जाता था। नए कानून में इस मोर्चे पर 30 दिन की छूट अवधि दी गई है। इसी क्रम में अप्रेंटिसशिप अधिनियम के तहत पंजीकरण का विवरण अद्यतन न कर पाना पहले आपराधिक कृत्य था, पर अब केवल नियमों की बार-बार अवहेलना पर ही सख्त कार्रवाई होगी। पहले किसी खनन कंपनी की दस्तावेजीकरण प्रक्रिया में चूक के कारण जेल तक हो सकती थी, लेकिन अब जुर्माना ही पर्याप्त है।

इस संदर्भ में जन विश्वास कानून वस्तुतः समस्त नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने के पीएम मोदी के प्रयासों का ही प्रतीक है। प्रधानमंत्री के तौर पर देश-सेवा के 12 वर्षों में और उससे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर यह उनका प्रमुख मिशन रहा है। जन विश्वास, 2026 एक महत्वपूर्ण स्तंभ पर आधारित है। भारत ने 2023 में पहले जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से 42 अधिनियमों के 183 प्रविधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था। इस प्रयास ने दिखाया कि नियमों को लागू करने की प्रक्रिया को कमजोर किए बिना गैर-अपराधीकरण से शासन में सुधार संभव है। 2026 का कानून इस प्रक्रिया को लगभग चार गुना बढ़ाता है, जो यह संकेत है कि यह कोई एक बार की गई पहल नहीं है, बल्कि सुधार की दिशा में निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

मानवीय क्षमताएं बढ़ाता है योग

शास्त्रों में उल्लेख है कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थ के लिए आरोग्य उत्तम मूल यानी मुख्य आधार है। इसका निहितार्थ यही है कि तन और मन में संतुलन बना रहे। आरोग्य यानी निरोगी रहना विकारों से मुक्त रहना है। यही हमारा स्वभाव है और उसे बनाए रखना हर प्राणी का कर्तव्य होता है। प्रकृति ने हमारी संरचना इसी प्रकार से तैयार की है, लेकिन आज के प्रतिस्पर्धी युग में उसके अनुरूप जीवन संचालन में समस्याएं आ रही हैं। विकार उत्पन्न हो रहे हैं। विकार बाधक होते हैं, जो आगे बढ़ने में रोड़ा तो अटकाते ही हैं, साथ ही हमारी शक्ति और ऊर्जा का अपव्यय भी करते हैं। इससे हमारा ध्यान अपने लक्ष्य से भटकता है। आज के तेजी से डिजिटल हो रहे युग में बच्चे-बूढ़े सभी आमतौर पर ध्यान के भटकाव की शिकायत करते मिलते हैं। उनका चित्त स्थिर नहीं रह पाता है। इसके फलस्वरूप कोई काम ठीक से नहीं हो पाता और स्मृति भी कमजोर पड़ने लगती है। दूसरी ओर यह सबका अनुभव है कि ध्यानावस्थित या दत्तचित्त होकर ही कोई कार्य सिद्ध किया जा सकता है। 'ध्यान देना' और कुछ नहीं, अपनी चेतना के सतत प्रवाह को एक दिशा में ले जाना है। हम ध्यान को किसी वस्तु, व्यक्ति या घटना में केंद्रित या फोकस करते हैं। इसी क्रम में अंतर्जगत और बाह्य जगत के साथ तालमेल बैठाना यानी ठीक तरह और ठीक जगह जोड़ना-जुड़ना आज की सबसे बड़ी चुनौती हो रही है। आज पूरे विश्व में मनोरोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। ऐसे में योग-शास्त्र और उसकी साधना बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। योग का अर्थ है जुड़ना, परंतु हर तरह का जुड़ना आकस्मिक या जानबूझकर मिलने का संयोग हो सकता है। योग-शास्त्र के अनुसार योग एक विशेष प्रकार से सायास जुड़ने का नाम है। योग विद्या के आलोक में अंतर और बाह्य जगत के साथ हमारा रिश्ता नया ओजस्वी अर्थ प्राप्त कर लेता है। यम और नियम नैतिक जीवन जीने की प्रक्रिया बताते हैं तो आसन शरीर का रख-रखाव और उसकी क्षमता को संवर्धित करने का काम करते हैं। प्राणायाम हमारे श्वास और प्राणिक ऊर्जा को व्यवस्था करते हैं। प्रत्याहार बाह्य दुनिया के साथ विवेकपूर्ण संबंध को नियमित करता है। ध्यान, धारणा और समाधि अंतरंग योग हैं, जो चेतना के परिष्कार को संभव बनाते हैं। इसीलिए महर्षि अरविंद कहते हैं कि %पूरा जीवन ही योग है।% वे योग को समग्र जीवन-दर्शन के रूप में प्रस्तुत करते हैं। सबसे जुड़कर ही अच्छी तरह से जीना संभव हो पाता है। उसके लिए आवश्यक तैयारी भी अनेक स्तरों पर करनी होती है। योग के जिस स्वरूप को महर्षि पतंजलि ने 'योग-सूत्र' में प्रस्तुत किया था, वह इसी तैयारी का माडल या नक्शा है। उसे अष्टांग योग कहकर वे यही कहना चाहते थे कि जैसे सभी अंगों से मिलकर शरीर बनता है, उसी तरह योग भी अनेक पक्षों से मिलकर बना है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा और समाधि सबको मिलाकर ही योग की रचना पूर्ण होती है। किसी एक अंग (जैसे- आसन या प्राणायाम) मात्र को ही योग कहना अतिव्याप्त करने वाली बात है। इसलिए वह समझ और तदनुसार आचरण असंगत और दिग्भ्रमित करने वाला होगा। खेद है कि आज इसी तरह का भ्रम फैला हुआ है। योग वस्तुतः स्वयं को नियमित एवं व्यवस्थित करने की ऐसी पद्धति है, जो हमें अपना वास्तविक स्वरूप वापस दिलाती है। योग की यात्रा के साथ हम अपने दृश्य को दृश्य के रूप में और स्वयं को द्रष्टा के रूप में ग्रहण करना शुरू करते हैं। दृश्य के मजबूत बंधनों से छुटकारा पाना आसान नहीं है। हमारा चंचल मन तो सदैव दृश्य की ओर ही खिंचा रहता है। उसे दृश्य से वापस लेने या प्रत्याहार के लिए हमारे द्वारा सजग चेष्टा जरूरी होती है। गीता की मानें तो उसके लिए गहन अभ्यास और दृश्य विषय के प्रति आकर्षण कम करना होगा। उसके साथ बर्ताव तो करना होगा, परंतु आंखें मूंदकर नहीं, अपितु विवेक के साथ। उसके साथ हमें अनासक्त भाव से व्यवहार करना होगा। आंख, कान और नाक आदि स्वभावतः देखने, सुनने और सूंघने का काम तो करेंगे, पर क्या और कितना देखें, सुनें और सूंघें, यह इन ज्ञानेंद्रियों या बाहर उपस्थित विषयों पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह यांत्रिक ढंग से नहीं चलना चाहिए। आज जिस तरह बाजार हमारी जरूरतों को बता रहा है और हमें निर्देशित कर रहा है, वह सबके अनुभव का विषय है।

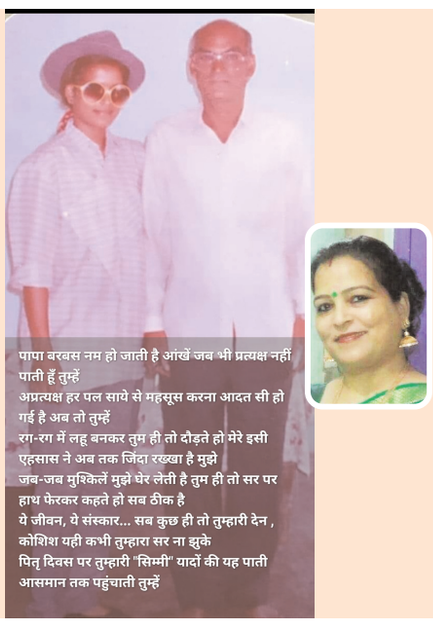

पापा बरबस नम हो जाती है आंखें जब भी प्रत्यक्ष नहीं पाती हूँ तुम्हें
अप्रत्यक्ष हर पल साये से महसूस करना आदत सी हो गई है अब तो तुम्हें
रग-रग में लहू बनकर तुम ही तो दौड़ते हो मेरे इसी एहसास ने अब तक जिंदा रक्खा है मुझे
जब-जब मुश्किलें मुझे घेर लेती है तुम ही तो सर पर हाथ फेरकर कहते हो सब ठीक है
ये जीवन, ये संस्कार... सब कुछ ही तो तुम्हारी देन,
कोशिश यही कभी तुम्हारा सर ना झुके
पितृ दिवस पर तुम्हारी "सिम्मी" यादों की यह पाती आसमान तक पहुंचाती तुम्हें

कतार में खड़ा आखिरी आदमी बता रहा सरकार की उपलब्धियां

प्रधानमंत्री के पद पर अपना लगातार 4399वां दिन पूरा कर लिया। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के 1952 में पहली निर्वाचित सरकार से 1964 में उनके निधन तक लगातार प्रधानमंत्री रहने के कीर्तिमान को पीछे छोड़ दिया। 1947 से देखें तो सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री के पद पर रहने का रेकॉर्ड अब भी पंडित नेहरू के नाम ही है। लेकिन मोदीजी ने उन्हें हमारे गणराज्य के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित शासन प्रमुख रहने के मामले में पीछे छोड़ दिया है। इस दरमियान मैंने अपना कामकाजी जीवन शासन के अंदर गुजारा है। इस उपलब्धि में मेरी दिलचस्पी गणित के लिहाज से कम है। मेरी ज्यादा दिलचस्पी इसमें है कि इस उपलब्धि को कैसे मापा जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सिखाया है कि सरकार को इस बात से आंका जाना चाहिए कि कतार के आखिर में खड़े आदमी तक क्या कुछ पहुंचता है। इसे ही 'अंत्योदय' कहते हैं। पंडित नेहरू के 'इंडिया' और मोदीजी के 'भारत' के बीच का फासला वह दूरी है जिसे इस आखिरी आदमी ने तय किया है।

एक निष्पक्ष मूल्यांकन करें तो देखते हैं कि पंडित नेहरू को विरासत में क्या मिला था। उन्हें विरासत में एक ऐसा विभाजित उपमहाद्वीप मिला जो इतिहास के सबसे बड़े जबरन विस्थापन से जूझ रहा था, दो सदियों के औपनिवेशिक शोषण से खोखली हो चुकी अर्थव्यवस्था मिली, ऐसी आबादी मिली जिसमें पांच में से एक से भी कम लोग पढ़-लिख सकते थे और औसत उम्र तीस साल के आस-पास थी। उस विरासत के आधार पर उन्होंने एक ऐसा संवैधानिक लोकतंत्र खड़ा किया जो टिका रहा, जबकि एक के बाद एक स्वतंत्र हुए कई अन्य देश सेना के जनरलों या तानाशाहों के कब्जे में चले गए। %योजना आयोग% दिशा तय करता था, सार्वजनिक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर मजबूत पकड़ थी और लाइसेंस प्रणाली यह तय करती थी कि कौन क्या उत्पादन कर सकता है। विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाएं, परमाणु और अंतरिक्ष कार्यक्रम - आजाद भारत की संस्थागत नींव उन्हीं वर्षों में रखी गई थी। मैं 1974 में विदेश सेवा में आया और जिस भारत का मैंने प्रतिनिधित्व किया, वह एक गंभीर देश था जिसने अपनी व्यवस्था की क्षमता के अनुसार पूरी गरिमा के साथ अभावों का सामना करने का रास्ता चुना था। उस व्यवस्था की कीमत तब तक साफ दिखने लगी थी जब तक मैं अपने कॅरियर के मध्य पड़ाव पर पहुंचा। सरकार ने योजनाओं का आवंटन करना तो सीख लिया था, लेकिन वह वितरण करना नहीं सीख पाई थी। दिल्ली में घोषित किसी योजना और गांव में मिलने वाले लाभ के बीच का जो फासला था, वहीं सारा पैसा गायब हो जाता था। एक पूर्व प्रधानमंत्री का यह मानना कि हर एक रुपए में से सिर्फ पंद्रह पैसे ही गरीबों तक पहुंच पाते हैं, इस मॉडल पर अपने आप में एक बड़ा सवाल था। सरकार योजना तो बना सकती थी, लेकिन वह लोगों तक पहुंच नहीं पाती थी।

2014 में मोदी जी को जो विरासत मिली, उसका भी उतना ही ईमानदार मूल्यांकन होना चाहिए। उन्होंने एक ऐसी अर्थव्यवस्था की कमान संभाली थी जिसे बाजार ने %फ्रैजाइल फाइव% (पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं) की श्रेणी में रखा था, जो अटकी हुई परियोजनाओं के बोझ तले दबी थी, दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति और भ्रष्टाचार से घिरी थी जिसने शासन पर से जनता के भरोसे को ही खोखला कर दिया था। इसका समाधान उन्होंने एक बिल्कुल अलग तरह की व्यवस्था बनाकर किया। 'योजना आयोग' की जगह 'नीति आयोग' ने ले ली, जो राज्यों को निर्देश देने के बजाय उन्हें साथ लेकर चलता है। पहचान (पहचान पत्र), बैंक खाता और मोबाइल फोन को एक साथ जोड़ा गया और सरकार ने बिचौलियों के बजाय, जो चार दशकों से अपना कमीशन ले रहे थे, नागरिकों को सीधे भुगतान करना शुरू कर दिया। 'प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण' एक निर्णायक माध्यम है जो बहुत साधारण लगता है लेकिन इसने शासन के इरादे की बजाय वास्तविक लाभ के मिलने पर ध्यान केंद्रित किया। इसके बाद जो हुआ, वह एक मंच के रूप में सरकार की नई परिकल्पना थी। भारत ने सार्वजनिक डिजिटल ढांचा और एक ऐसी पहचान व्यवस्था बनाई जो पूरे उपमहाद्वीप में काम करती है। एक ऐसा भुगतान नेटवर्क खड़ा किया गया जिसका आज पूरी दुनिया अध्ययन कर रही है। पचास करोड़ से अधिक जनधन खातों ने उन परिवारों के लिए औपचारिक बैंकिंग के दरवाजे खोल दिए, जहां यह सुविधा पहले कभी नहीं पहुंची थी। नीति आयोग के अनुमान के अनुसार, इसी दशक में लगभग पच्चीस करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं और जिस अर्थव्यवस्था को बाजारों ने खारिज कर दिया था, वह अब किसी भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्था की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। जो सरकार कभी नागरिक और उसकी जरूरत के बीच में रुकावट बन जाती थी, वह अब किनारे हटकर उसका आगे बढ़ने का मार्ग बना रही है। 'भारत' शब्द के पीछे यही मूल भावना है।

मैं जिस पद पर हूं, वहां से इस बदलाव के बारे में बात कर सकता हूं। साल 2014 में, हमारे पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण का स्तर 1.53 प्रतिशत था। इस वर्ष हम बीस प्रतिशत के स्तर पर पहुंच चुके हैं- एक ऐसा लक्ष्य जो कभी 2030 के लिए तय किया गया था और जिसे हमने आधा दशक पहले ही हासिल कर लिया है। वह पैसा जो कभी कच्चे तेल की खरीद के लिए देश से बाहर चला जाता था, वह अब हमारे किसानों तक पहुंच रहा है, जो हमें अन्न देने वाले 'अन्नदाता' के साथ-साथ अब ऊर्जा देने वाले 'ऊर्जादाता' भी बन गए हैं। इन्हीं वर्षों में, उज्ज्वला योजना ने पहली बार दस करोड़ से अधिक गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई और इसकी सब्सिडी बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी गई। यह 'अंत्योदय' का ही एक रूप है, जो अब लीटर और सिलेंडर के माध्यम से साकार हो रहा है। अब योजनाएं समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को नजरअंदाज नहीं करतीं, बल्कि उन्हीं को केंद्र में रखकर बनाई जाती हैं। यही लेखा-जोखा ईंट और स्टील के क्षेत्र में भी दिखाई देता है। 'आवास योजना' के तहत उन परिवारों के लिए लगभग चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए हैं, जिनके पास अपना कोई घर नहीं था। 2014 में केवल पांच शहरों में मेट्रो चलती थी, आज बीस से अधिक शहरों में दौड़ रही है। हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है और 'उड़ान' योजना ने उन छोटे शहरों के लोगों के लिए भी हवाई यात्रा मुमकिन बना दी है, जहां के लोग पहले सिर्फ आसमान से गुजरते हुए हवाई जहाजों को देखा करते थे। रेलवे का लगभग पूरी तरह से विद्युतीकरण कर दिया गया है और अब वहां देश में ही निर्मित सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनें चल रही हैं। ये सब कोई काल्पनिक बातें नहीं हैं। हर बदलाव का मतलब है- लंबी लाइनें खत्म हुईं, सफर में अब पूरा दिन बर्बाद नहीं होता और टपकने वाली छत की जगह एक मजबूत छत मिल गई है। बाकी चीजों के साथ-साथ वित्तीय ढांचा भी बदला।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

गोस्वामीजी ने संकेत किया कि कैकेई कैकय राजा की बेटी हैं, इसका अर्थ बड़ा गंभीर है। आप लोगों ने सुना होगा कि वैसे तो महाराज श्रीदशरथ का विवाह अन्य रानियों से भी हुआ, पर उन विवाहों में कोई शर्त नहीं थी। कौशल्या के पिता ने महाराज श्रीदशरथ से बदले में कोई शर्त नहीं की कि हमको यह वचन मिलना चाहिए। और सुमित्राजी के पिता ने भी महाराज श्रीदशरथ से बदले की मांग नहीं की। लेकिन जब महाराज श्रीदशरथ ने कैकय राजा से यह कहा कि मैं आपकी पुत्री कैकेई से विवाह करना चाहता हूं तो महाराज कैकय ने तुरंत कहा कि मैं पुत्री तो दूंगा पर जब तक आप मेरी शर्त नहीं मानेंगे तब तक नहीं दूंगा। इसका अर्थ है कि ज्ञान और उपासना में बदले की भावना नहीं है, पर जहां क्रिया होगी वहां तो यह भावना अवश्य होगी कि हम यह करेंगे तो आप क्या करेंगे , यह तो बताइए, आप ! और जब पूछ दिया दशरथ ने कि आप क्या लेंगे ? तो कैकय ने कहा कि मैं तो नहीं लूंगा पर मेरी बेटी कैकेई सुखी रहे, इसलिए आप यह वचन दीजिए कि कैकेई के गर्भ से जो पुत्र होगा, वही अयोध्या के राज्य का उत्तराधिकारी होगा।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

नीली क्रांति से समृद्धि की ओरः मछली पालन बना ग्रामीण विकास का नया आधार

रायपुर। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती के साथ सहायक व्यवसायों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इन्हीं में मछली पालन आज केवल भोजन का स्रोत नहीं, बल्कि लाखों लोगों के लिए रोजगार, आय और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन गया है। कम लागत, कम समय में बेहतर उत्पादन और बाजार में बढ़ती मांग के कारण यह व्यवसाय गांवों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

मत्स्य पालन जैसे आयवर्धक व्यवसायों को अपनाएं

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भी किसानों से आह्वान किया है कि वे खेती को केवल धान तक सीमित न रखें। दलहन, तिलहन, उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे आयवर्धक व्यवसायों को अपनाएं। इसी सोच के अनुरूप भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं, जिससे किसानों और ग्रामीण युवाओं को रोजगार-स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही नई मजबूती

ग्रामीण क्षेत्रों में मछली पालन सीमित भूमि और कम पूंजी में शुरू किया जा सकता है। तालाब, जलाशय, नहर और अन्य जल स्रोतों का उपयोग कर किसान अतिरिक्त आय कमा सकते हैं। बढ़ती आबादी और पौष्टिक भोजन की मांग से मछली की खपत लगातार बढ़ रही है। प्रोटीन, विटामिन और खनिजों से भरपूर मछली स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

मत्स्य पालन में रोजगार के बड़े अवसर

मत्स्य पालन न सिर्फ किसानों की आय बढ़ाता है, बल्कि मत्स्य बीज उत्पादन, आहार निर्माण, परिवहन, प्रसंस्करण और विपणन जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार के बड़े अवसर देता है।

राज्य पोषित योजनाओं से बढ़ रही संभावनाएं, शिक्षण एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ सरकार मत्स्य कृषकों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और आर्थिक

सहायता दे रही है। आधुनिक तकनीकों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण में तालाब प्रबंधन, मत्स्य बीज उत्पादन, रोग नियंत्रण और विपणन की जानकारी दी जाती है। तकनीकी उन्नयन के लिए विशेष प्रशिक्षण भी होते हैं। मत्स्य पालकों को राज्य के बाहर अध्ययन भ्रमण

प्रगतिशील मत्स्य पालकों को राज्य के बाहर सफल मॉडल देखने भेजा जाता है, ताकि वे नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित हों।

सहकारी समितियों को अनुदानः

उत्पादन और विपणन व्यवस्था मजबूत करने के लिए मत्स्य सहकारी समितियों को आर्थिक मदद दी जाती है।

नाव-जाल सहायताः

अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को नाव-जाल देकर पारंपरिक मछली पकड़ने को बढ़ावा दिया जा रहा है।

फुटकर विक्रेताओं को मददः

आइस बॉक्स, तराजू जैसे उपकरण देकर छोटे मछुआरों को बेहतर बाजार और लाभ दिलाया जा रहा है।

स्पॉन संवर्धन व झींगा पालनः सूचित जाति- जनजाति वर्ग को स्पॉन संवर्धन और झींगा सह मछली पालन के लिए विशेष सहायता मिल रही है।

किराए
पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

रायपुर में ट्रैफिक जवानों के लिए एसी हेलमेट का ट्रायल शुरू

रायपुर। भीषण गर्मी में घंटों सड़क पर ड्यूटी देने वाले ट्रैफिक जवानों को राहत देने के लिए रायपुर पुलिस ने एसी हेलमेट का ट्रायल शुरू किया है। शनिवार को इसका परीक्षण किया गया। यदि यह सफल रहा तो भविष्य में अधिक संख्या में ट्रैफिक जवानों को ऐसे हेलमेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

एडीसीपी ट्रैफिक विवेक शुक्ला ने बताया कि एक कंपनी ने ट्रायल के लिए एसी हेलमेट उपलब्ध कराए हैं। हेलमेट में बैटरी संचालित फैन और एयर-डक्ट सिस्टम लगाया गया है, जो बाहर की हवा को फिल्टर कर सिर और चेहरे तक पहुंचाता है। कुछ मॉडलों में कूलिंग मॉड्यूल भी है, जो हवा का तापमान कम करने में मदद करता है। एक बार चार्ज होने पर यह 6 से 8 घंटे तक काम करता है।पुलिस के अनुसार, एसी हेलमेट सिर के आसपास का तापमान 8 से 15 डिग्री सेल्सियस तक कम महसूस करा सकता है।

छत्तीसगढ़ के सरकारी मेडिकल कॉलेजों से क्यों जा रहे डॉक्टर? 6 साल में 550+ ने छोड़ी नौकरी, फैकल्टी की कमी बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों के लगातार नौकरी छोड़ने से फैकल्टी की कमी बढ़ती जा रही है। पिछले 6 सालों में प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों से 550 से ज्यादा डॉक्टरों ने नौकरी छोड़ी है। इनमें नियमित और संविदा दोनों तरह के डॉक्टर शामिल हैं।

डॉक्टरों के नौकरी छोड़ने की प्रमुख वजह कम वेतन, समय पर प्रमोशन नहीं होना और ट्रांसफर का डर बताया जा रहा है। डॉक्टरों की कमी का असर मेडिकल कॉलेजों की व्यवस्था पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि फैकल्टी की कमी बनी रही तो मेडिकल कॉलेजों की मान्यता और एमबीबीएस सीटों पर भी असर पड़ सकता है।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों की संख्या लगातार बढ़ी है, लेकिन इसके अनुसार नया फैकल्टी सेटअप मंजूर नहीं किया गया है। 2022 के बाद इस साल पीएससी के माध्यम से नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन चयनित डॉक्टरों को अभी तक पोस्टिंग आदेश का इंतजार है। 125 डॉक्टरों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था, जिसमें करीब 60 डॉक्टरों का चयन हुआ है।

रायपुर मेडिकल कॉलेज में बढ़ीं एमबीबीएस सीटें

राजधानी के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में राज्य गठन के समय एमबीबीएस की 100 सीटें थीं। बाद में सीटों की संख्या बढ़ाकर 2019 में 180 और 2023 में 230 कर दी गई। हालांकि वर्तमान फैकल्टी सेटअप 150 सीटों के हिसाब से तैयार है। नई सीटों के अनुसार एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और सीनियर रेजिडेंट की संख्या बढ़ाने की जरूरत है।

प्रोफेसर बने, लेकिन 18 डॉक्टरों का हुआ ट्रांसफर

प्रदेश के 10 मेडिकल कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसरों को प्रमोशन देकर प्रोफेसर बनाया गया। इसके करीब 20 दिन बाद जारी आदेश में रायपुर मेडिकल कॉलेज से 18 डॉक्टरों को बाहर भेज दिया गया। वहीं प्रदेश के कई मेडिकल कॉलेजों में करीब 80 असिस्टेंट प्रोफेसरों का प्रोबेशन पीरियड भी पूरा नहीं हुआ है। 10 में से 4 मेडिकल कॉलेज फिलहाल प्रभारी डीन के भरोसे चल रहे हैं। इस साल 6 नए मेडिकल कॉलेज शुरू होने की संभावना है, लेकिन वहां भी नियमित डीन की नियुक्ति नहीं हुई है।

सैकड़ों पद खाली, बढ़ी परेशानी

मेडिकल कॉलेजों में स्वीकृत पदों की तुलना में बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हुए हैं। प्रोफेसर के 241 स्वीकृत पदों में 117 पद रिक्त हैं, जबकि एसोसिएट प्रोफेसर के 399 पदों में 196 पद खाली हैं। इसी तरह असिस्टेंट प्रोफेसर के 644 पदों में 332 पदों पर नियुक्ति नहीं हुई है। वहीं सीनियर रेजिडेंट के 518 पदों में 375 पद खाली हैं। बड़ी संख्या में फैकल्टी और मेडिकल स्टाफ के पद खाली होने से मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई, प्रशिक्षण और मरीजों के इलाज की व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है।

मध्यप्रदेश की भर्ती व्यवस्था डॉक्टरों को कर रही आकर्षित

डॉक्टरों के अनुसार पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में स्वशासी समिति के माध्यम से भर्ती होने के कारण वहां समय पर प्रमोशन और करीब 10 प्रतिशत इंक्रीमेंट जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। इसके चलते कई डॉक्टर वहां के विकल्पों को प्राथमिकता दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ में करीब 110 प्रोफेसर डीन और अधीक्षक बनने के लिए पात्र हैं, लेकिन इसके बावजूद कुछ जगहों पर जूनियर पदों पर कार्यरत डॉक्टरों को जिम्मेदारी दी गई है।

वैष्णवी एग्रो इंडस्ट्रीज से उड़ीसा प्रिंट वाले उर्वरक की 11 बोरियां जब्त

रायपुर (वीएनएस)। किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा राज्यभर में उर्वरक विक्रय केंद्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में महासमुंद जिले में कृषि विभाग ने कार्रवाई करते हुए वैष्णवी एग्रो इंडस्ट्रीज से उड़ीसा प्रिंट वाली पीआरओएम (च्च्ड) उर्वरक की 11 बोरियां (लगभग 550 किलोग्राम) जब्त की हैं।

महासमुंद जिले के कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश पर कृषि विभाग की टीम ने बागबाहरा विकासखंड के ग्राम घोयनाबाहरा स्थित वैष्णवी एग्रो इंडस्ट्रीज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में सालेपाली, पाइकमाल, जिला बरगढ़ (उड़ीसा) प्रिंट वाली उर्वरक की 11 बोरियां मिलीं, जिन्हें नियमानुसार जब्त कर लिया गया। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किसानों के हितों की सुरक्षा तथा उर्वरकों की गुणवत्ता एवं वैध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि उर्वरक के भंडारण एवं विक्रय में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राज्यभर में यह निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ में अगले 3-4 दिनों में पहुंचेगा मानसून, 7 दिन तक बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की रफ्तार तेज होने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 3 से 4 दिनों में मानसून प्रदेश के शेष हिस्सों तक पहुंच जाएगा। राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है, लेकिन उमस से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। विभाग ने आगामी सात दिनों तक बारिश की गतिविधियां बढ़ने और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना जताई है। रविवार को सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली, 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा और बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और खुले स्थानों पर अनावश्यक रूप से नहीं रुकने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मुंगेली में 5 सेंटीमीटर और दरभा में 4 सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि अन्य जिलों में भी बारिश हुई। अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी रायपुर में रविवार को दिनभर बादल छाए रहने, गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है। शहर का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में मानसूनी गतिविधियां और तेज होंगी, जिससे प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

तेज आंधी में चोखरधानी रेस्टोरेंट की पार्किंग शेड गिरी, बड़ा हादसा टला

रायपुर। राजधानी रायपुर में शुक्रवार शाम तेज हवा और आंधी के बीच तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित चोखरधानी रेस्टोरेंट की पार्किंग शेड अचानक गिर गई। घटना के समय वहां महिलाएं, बच्चे और कई लोग मौजूद थे, लेकिन सभी सुरक्षित बच गए। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज हवा के दबाव से पार्किंग शेड का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया, जिसकी चपेट में आकर एक-दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलते ही तेलीबांधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में तेज हवा को हादसे की वजह माना गया है। रेस्टोरेंट प्रबंधन ने क्षतिग्रस्त वाहनों के नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया है। वहीं पुलिस यह भी जांच कर रही है कि पार्किंग शेड का निर्माण सुरक्षा मानकों के अनुरूप था या नहीं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

पढ़ाएं या डेटा भरें? 27 ऐप के जाल में फंसे शिक्षक, छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने खोला मोर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन (सीजीटीए) ने शिक्षकों पर बढ़ते मोबाइल ऐप आधारित कार्यों और गैर-शैक्षणिक जिम्मेदारियों पर नाराजगी जताई है। प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि वर्तमान में शिक्षकों से 27 से अधिक ऐप और पोर्टलों पर लगातार जानकारी अपलोड कराई जा रही है, जिससे स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि शिक्षक पढ़ाने के बजाय डेटा एंट्री ऑपरेटर बनकर रह गए हैं। संजय शर्मा ने बताया कि शिक्षकों से आयुष्मान, मतदाता सत्यापन, जनगणना और साक्षरता अभियान सहित कई पोर्टलों पर एक ही छात्र की जानकारी बार-बार दर्ज कराई जाती है। इससे शिक्षण कार्य के लिए मिलने वाला समय लगातार कम हो रहा है। इसका असर स्कूलों में बच्चों के वार्षिक परीक्षा परिणाम पर भी देखने को मिल रहा है। ऐप का दबाव, बढ़ रहा मानसिक तनाव एसोसिएशन का कहना है कि नए-नए ऐप डाउनलोड करने के निर्देश, समय-सीमा का दबाव और वेतन रोकने जैसी चेतावनियों से शिक्षक मानसिक तनाव में हैं। इंटरनेट, मोबाइल और डेटा का अतिरिक्त खर्च भी उन्हें स्वयं उठाना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ में 5000 शिक्षक भर्ती रुकी, डीपीआई आदेश के बाद भी आत्मानंद स्कूलों की नियुक्तियां ठप, जानें क्यों?

इस तरह के ऐप पर करना पड़ रहा काम शिक्षक संघ के संजय शर्मा ने बताया कि शिक्षकों से ई-जादुई पिटारा, दीक्षा, सीजी एमडीएम, सीजी वीएसके, समग्र शिक्षा, यू-डाइस, सीजी स्कूल डॉट इन, आयुष्मान, मतदाता सत्यापन, जनगणना, साक्षरता अभियान सहित कई ऐप पर नियमित डेटा अपलोड कराया जा रहा है। कई बार एक ही छात्र की जानकारी अलग-अलग पोर्टलों पर बार-बार भरनी पड़ती है। छात्र का नाम, माता-पिता का विवरण, जन्मतिथि, जाति, मोबाइल नंबर से लेकर यूनिट टेस्ट, तिमाही, छमाही, प्री-बोर्ड और बोर्ड परीक्षा के अंक तक अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर दर्ज करने पड़ते हैं।

इंस्टाग्राम पर नाबालिग को धमकाने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के जरिए नाबालिग को अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 21 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), पॉक्सो एक्ट और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत में बताया गया कि उसकी नाबालिग पुत्री से आरोपी ने इंस्टाग्राम के माध्यम से संपर्क किया था। बातचीत के दौरान उसने युवती के निजी फोटो अपने पास हासिल कर लिए और बाद में उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। शिकायत मिलते ही पुरानी बस्ती थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान सोहेब सिद्दीकी (21), निवासी कबीर नगर, रायपुर के रूप में की। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है। मोबाइल और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है, ताकि मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का भी पता लगाया जा सके।

126 एकड़ सरकारी जमीन कब्जामुक्त! अब बनेगा जंगल-तालाब और खेल मैदान, सोनेसिली पंचायत की पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गोबरा नवापारा क्षेत्र की ग्राम पंचायत सोनेसिली ने सरकारी भूमि संरक्षण और ग्रामीण विकास की दिशा में मिसाल पेश की है। पंचायत और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से करीब 126 एकड़ शासकीय भूमि को बेजा कब्जे से मुक्त कराया गया है। वर्षों से अतिक्रमण और विवादों में रही यह जमीन अब पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और ग्रामीण सुविधाओं के विकास के लिए उपयोग होगी। इस भूमि पर जंगल, तालाब, खेल मैदान और अन्य जनहित कार्यों की योजना तैयार की गई है।

40 एकड़ में तैयार होगा हरित क्षेत्र

पंचायत के प्रस्ताव के अनुसार 40 एकड़ भूमि वन विभाग को वृक्षारोपण के लिए सौंपी गई है। इस जमीन पर बड़े स्तर पर पौधरोपण कर हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा। इससे गांव में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और आने वाले समय में यह क्षेत्र हरियाली से भर जाएगा।

14 एकड़ में बनेगा तालाब, होगा जल संरक्षण

जल संकट और भूजल संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 14 एकड़ भूमि पर तालाब निर्माण की योजना बनाई गई है। बारिश के पानी को संरक्षित करने के साथ इसका लाभ ग्रामीणों और किसानों को मिलेगा। पंचायत का उद्देश्य जल संसाधनों को मजबूत करना है।

युवाओं के लिए बनेगा खेल मैदान

गांव के युवाओं को खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 10 एकड़ भूमि खेल मैदान के लिए आरक्षित की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को अभ्यास और खेल गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान मिल सकेगा।

सामाजिक गतिविधियों के लिए भी आरक्षित जमीन

इसके अलावा भक्त माता कर्मा समिति के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 3 एकड़ भूमि पर भवन निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। वहीं बची हुई भूमि को शासकीय चारागाह के रूप में सुरक्षित रखा जाएगा, जिससे पशुपालकों को भी सुविधा मिलेगी।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज भाग्य आपके लिए रिश्तों के खजाने का ताला खोल सकता है। कोई पुराना मित्र, जिससे वर्षों से संपर्क नहीं था, अचानक आपकी सफलता की राह का महत्वपूर्ण पात्र बन सकता है। रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और मेहनत का फल दिखाई देने लगेगा। व्यापार में नई संभावनाएँ उभरेंगी, खासकर साझेदारी से जुड़े लोगों के लिए समय लाभदायक रहेगा।

वृषभ। आज का दिन आपको सजगता और समझदारी का पाठ पढ़ाएगा। हर मुस्कुराता चेहरा आपका हितैषी हो, यह आवश्यक नहीं है, इसलिए अपने निर्णय सोच-समझकर लें। छोटे लाभ भी आगे चलकर बड़ी सफलता की नींव बन सकते हैं। किसी पुराने फैसले को लेकर मन में थोड़ी कसक उठ सकती है, लेकिन वही अनुभव आपको अधिक मजबूत और परिपक्व बनाएगा।

मिथुन। आज रिश्तों में मिठास घुलने का दिन है। यदि वैवाहिक जीवन में कोई दूरी या गलतफहमी थी, तो उसके दूर होने के संकेत हैं। प्रेम संबंधों में भी अपनापन और विश्वास बढ़ेगा। विदेश में पढ़ाई या करियर का सपना देखने वालों को उत्साहजनक समाचार मिल सकता है। संतान की किसी उपलब्धि से गर्व महसूस होगा। माता-पिता का आशीर्वाद आज आपके लिए सौभाग्य का द्वार खोल सकता है ।

कर्क। आज नई संभावनाएँ आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छा अवसर मिलने के संकेत हैं। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेंगे। इससे सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। कुछ लोग आपकी सरलता का गलत अर्थ निकाल सकते हैं, लेकिन आपकी सच्चाई ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। मन की कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से भीतर खुशी और संतोष का अनुभव होगा।

सिंह। आज आप अपने किसी बड़े लक्ष्य की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकते हैं। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं और सफलता आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगी। परिवार में संतान की उपलब्धि या नौकरी से खुशी का माहौल रहेगा। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी खास व्यक्ति के आने की संभावना है। पैतृक संपत्ति से जुड़ी उलझनों में राहत मिल सकती है। बस स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें, क्योंकि सफलता का आनंद तभी मिलेगा जब ऊर्जा बनी रहे।

कन्या। आज आपका आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा चरम पर रह सकती है। भाग्य का साथ मिलने से कठिन लगने वाले कार्य भी सरल प्रतीत होंगे। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके लिए मार्गदर्शन का काम करेगी। विवाह से जुड़ी किसी रुकावट के दूर होने से घर में प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। यात्रा या किसी मुलाकात के दौरान मिली जानकारी भविष्य में बड़ा लाभ दे सकती है। माता-पिता का सहयोग मानसिक शक्ति प्रदान करेगा।

तुला। आज पुरानी परेशानियों के बादल धीरे-धीरे छंटते नजर आएंगे। लंबे समय से चली आ रही उलझनों में राहत मिलेगी। कार्यक्षेत्र में लिया गया कोई निर्णय आपको दोबारा सोचने पर मजबूर कर सकता है, लेकिन यही विचार-विमर्श आगे की राह स्पष्ट करेगा। दूसरों पर अत्यधिक निर्भरता से बचें और अपने निर्णयों पर भरोसा रखें। पुराना लेन-देन सुलझ सकता है।

वृश्चिक। आज जीवन में स्थिरता और विस्तार दोनों के संकेत हैं। घर, जमीन या संपत्ति से जुड़ी योजनाएँ आकार ले सकती हैं। लंबी यात्रा का विचार भी मन में आ सकता है। व्यापार में लाभ और रुकी हुई योजनाओं को नई गति मिलने के योग हैं। जिस काम को पूरी लगन से करेंगे, उसमें सफलता की संभावना प्रबल रहेगी। भाई-बहनों के साथ किसी छोटी बात पर मतभेद हो सकता है, लेकिन समझदारी से स्थिति सहज हो जाएगी।

धनु। अआज जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी, लेकिन यही जिम्मेदारियाँ आपकी सफलता की सीढ़ी बनेंगी। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण दायित्व मिल सकता है और वरिष्ठ आपके काम से प्रभावित रहेंगे। परिवार में किसी अहम विषय पर चर्चा हो सकती है। पुराने मित्र से मुलाकात मन को ताजगी और खुशी देगी। जीवनसाथी का स्नेह या कोई विशेष सरप्राइज आपके दिन को यादगार बना सकता है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापारियों को नए अवसर मिल सकते हैं।

मकर। आज लंबे समय से अटके कार्य पूरे होने की दिशा में बढ़ेंगे। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की संभावना से खुशी का माहौल बन सकता है। पदोन्नति या नई जिम्मेदारी को लेकर सकारात्मक संकेत मिलेंगे। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है और किसी पुराने निर्णय की याद मन को विचलित कर सकती है। फिर भी आपकी समझदारी और धैर्य हर परिस्थिति को संभाल लेंगे। यदि लंबे समय से कोई योजना बना रहे थे तो उसे आगे बढ़ाने का अनुकूल समय है।

कुंभ। आज आप स्वयं को हल्का, ऊर्जावान और उत्साहित महसूस करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में निकटता बढ़ेगी और आपसी समझ मजबूत होगी। यात्रा या घूमने-फिरने की योजना बन सकती है। कोई पुराना आर्थिक मामला सुलझने से मन को राहत मिलेगी। व्यापारिक कारणों से बाहर जाने का अवसर मिल सकता है। संतान के साथ हल्की नोकझोंक संभव है, लेकिन प्रेम और संवाद से सब सामान्य हो जाएगा। कार्यक्षेत्र में सामान्य प्रगति बनी रहेगी, लेकिन कुछ कार्यों में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है।

मीन। आज आपके मन में नए विचारों और नई योजनाओं की लहर उठ सकती है। कुछ अलग करने की इच्छा आपको प्रेरित करेगी, लेकिन नए लोगों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी, भले ही वह आपकी अपेक्षाओं से थोड़ी कम लगे। दूसरों के मामलों में अनावश्यक दखल देने से बचना बेहतर रहेगा। आपकी सकारात्मक सोच और रचनात्मक दृष्टि अंततः लाभ दिलाएगी। यदि किसी को धन उधार दिया था, तो उसके वापस मिलने की संभावना भी बन रही है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी तथा जीवनसाथी के साथ संबंध और मजबूत होंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद बना रहेगा। छात्रों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है।

नेतरहाट में पिछले साल पहुंचे एक लाख से अधिक पर्यटक, सरकार बनाएगी प्री-फैब कॉटेज रिसॉर्ट

रांची। झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थल नेतरहाट में कोरोना काल के बाद पर्यटकों की संख्या में पांच गुना तक वृद्धि हुई है। पिछले साल ही यहां एक लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे। इससे वहां आवासीय सुविधाओं की कमी होने लगी है। सर्दी के मौसम में, खासकर दिसंबर-जनवरी में यहां होटल में जगह मिलना मुश्किल हो जाता है। इसे देखते हुए सरकार ने यहां प्रभात विहार परिसर में प्री-फैब कॉटेज रिसॉर्ट बनाने का फैसला लिया है। इस पर करीब 14.95 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसके लिए डीपीआर तैयार है। पर्यटन निदेशालय ने इसे पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य विभाग को भेजा है। पर्यटन निदेशालय की ओर से भेजे गए प्रस्ताव में कहा गया है कि नेतरहाट में झारखंड पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित प्रभात विहार में 24 और पर्यटन विहार में 32 कमरे उपलब्ध हैं। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। इसी कारण प्रभात विहार परिसर में प्री-फैब कॉटेज रिसॉर्ट विकसित करने की योजना बनाई गई है। यहां अभी पर्यटक आते हैं, लेकिन रहने की अच्छी व्यवस्था न होने के कारण वे जल्दी ही लौट जाते हैं। वे ज्यादा दिन नहीं ठहरते। इसी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इसका उद्देश्य नेतरहाट की आवासीय क्षमता बढ़ाना, पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। रिसॉर्ट बनने से यहां पर्यटकों के ठहराव की अवधि बढ़ेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेगी। निदेशालय ने कहा ?है कि विभाग के पास इस प्रकार के निर्माण कार्यों के तकनीकी परीक्षण की विशेषज्ञता उपलब्ध नहीं है। इसलिए डीपीआर के तकनीकी पहलुओं की जांच के लिए किसी सक्षम एजेंसी, जैसे झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम या अन्य विशेषज्ञ संस्थानों की सेवाएं ली जा सकती है।

यह रिसॉर्ट पारंपरिक ईंट-सीमेंट की बजाय प्री-फैब तकनीक से बनेगा। इसमें दीवारें और ढांचे पहले से फैक्ट्री में तैयार होते हैं और मौके पर लाकर सिर्फ असेंबल किए जाते हैं। यह तकनीक पर्यावरण के अनुकूल है और पहाड़ों व वादियों को नुकसान पहुंचाए बिना बहुत कम समय में इसे तैयार किया जा सकता है। चूंकि इसका निर्माण पहले से उपलब्ध परिसर में किया जाना है। इसलिए जमीन के अधिग्रहण की भी जरूरत नहीं होगी।

पहली बार बिहार से झारखंड व यूपी को 4 लाख क्यूबिक फीट तक बालू जाएगा

रांची। निर्माण कार्यों के लिए अपेक्षित बालू न मिल पाने अथवा महंगी कीमत पर खरीदने को मजबूर झारखंड के लोगों के लिए राहत की खबर है। बारिश में भी बिहार से दूसरे राज्यों में 4 लाख क्यूबिक फीट बालू की बिक्री होगी। लाइसेंसधारी कारोबारी यूपी व झारखंड के सीमावर्ती जिलों में बालू भेज सकेंगे। पहले 15 जून से 15 अक्टूबर तक बालू निर्यात पर रोक रहती थी। इस बार बिहार में पर्याप्त स्टॉक होने के कारण यह फैसला लिया गया है। लाइसेंसधारी विक्रेताओं ने रोक हटाने की मांग की थी। खान एवं भूतत्व विभाग ने समीक्षा के बाद दूसरे राज्यों में बिक्री की अनुमति दी।

हर 15-20 दिन पर होगी समीक्षा

दूसरे राज्यों में बालू बिक्री की समीक्षा हर 15 से 20 दिन में होगी। बिहार में मांग और उपलब्धता का आकलन किया जाएगा। पर्याप्त भंडारण रहने पर ही निर्यात जारी रहेगा। 15 अक्टूबर 2026 के बाद इस व्यवस्था को जारी रखने या बंद करने पर अलग से निर्णय लिया जाएगा। बारिश के दौरान दूसरे राज्यों में भी बालू की बिक्री की जाएगी। हालांकि, राज्य की जरूरतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। बालू की उपलब्धता, आपूर्ति और मांग पर लगातार निगरानी होगी। - डॉ. प्रमोद कुमार, मंत्री, खान एवं भूतत्व विभाग बिहार, बारिश के मौसम को देखते हुए बिहार में पहले से बालू का भंडारण किया गया था। विभिन्न घाटों पर 35 लाख क्यूबिक फीट बालू स्टॉक किया गया। विभाग ने भवन, सड़क और निजी निर्माण के लिए 28 लाख क्यूबिक फीट खपत का अनुमान लगाया है।

27 दिन में 160 की जगह 61 मिमी बारिश: झारखंड में सामान्य से 62% कम बारिश, 30 जून से 1 जुलाई तक भारी बारिश की संभावना

रांची। झारखंड में इस बार मानसून की रफ्तार काफी धीमी बनी हुई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है। एक जून से 27 जून तक राज्य में जहां सामान्य रूप से करीब 160 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, वहीं अब तक महज 61 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। यह सामान्य से लगभग 62 प्रतिशत कम है। राजधानी रांची की स्थिति भी बहुत बेहतर नहीं है।यहां अब तक 168.6 मिमी के मुकाबले केवल 125.7 मिमी बारिश हुई है, जो करीब 25 प्रतिशत कम है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश की कमी के कारण खेत सूखे पड़े हैं।

धान की खेती प्रभावित हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार अलनीनो के प्रभाव के कारण मानसून कमजोर पड़ा है, जिससे बारिश का वितरण असमान हो गया है। इधर, सुबह-सुबह कोडरमा, लातेहार सहित कई जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। मौसम विभाग ने हालांकि आने वाले दिनों के लिए राहत की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार 28 जून से 3 जुलाई तक राज्य में बादल छाए रहेंगे और कई स्थानों पर गर्जन, वज्रपात और तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। विशेष रूप से 30 जून और 1 जुलाई को राज्य के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने इन क्षेत्रों के लिए यलो से ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना भी जताई गई है।

कहीं लू चल रही तो कहीं हो रही बारिश

राज्य में मौसम का मिजाज पूरी तरह असमान बना हुआ है। जहां पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में लू जैसे हालात बने हुए हैं, वहीं अन्य जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई है। शनिवार को रामगढ़ में सबसे अधिक 10 मिमी वर्षा हुई, जबकि रांची, बोकारो और हजारीबाग में एक-एक मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। तापमान की बात करें तो मेदिनीनगर में अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सबसे अधिक रहा। इस बीच लोहरदगा जिले में वज्रपात की घटना में 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मौसम वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है। कहा है कि वे निचले इलाकों में धान की बिचड़ा लगाने की तैयारी करें, जबकि ऊंचे क्षेत्रों में वैकल्पिक फसलों पर ध्यान दें। अगले चार दिन मानसून के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं और इस दौरान अच्छी बारिश होने की उम्मीद है।

शिक्षक नियुक्ति मामले में सरकार ने फैक्ट फाइंडिंग आयोग को सौंपा डेटा

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2016 से जुड़े नियुक्ति विवाद की जांच करने के लिए बनी वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमीशन ने शनिवार को मामले की ऑनलाइन सुनवाई की। आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस गौतम कुमार चौधरी के समक्ष राज्य सरकार ने नियुक्त अभ्यर्थियों से संबंधित सभी डेटा उपलब्ध कराया। आयोग ने इस डेटा की प्रति याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता को उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए उस पर 1 अगस्त तक आपत्तियां दाखिल करने को कहा। आयोग 1 अगस्त को इस मामले की सुनवाई करेगा।

पिछली सुनवाई में आयोग ने सरकार को निर्देश दिया था कि नियुक्ति संबंधी विवरण संयुक्त रूप से नहीं, बल्कि विषयवार और श्रेणीवार अलग-अलग प्रस्तुत किया जाए। साथ ही 18 सितंबर 2019 से 2 अगस्त 2022 तक हुई नियुक्तियों का ब्योरा, कुल 17,786 स्वीकृत पदों में अब तक हुई नियुक्तियों और शेष रिक्त पदों की जानकारी भी मांगी थी। आयोग ने नियुक्त अभ्यर्थियों के कार्यालय आदेश, विषयवार व श्रेणीवार अंक तथा जिलावार मेरिट सूची भी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। इसके आलोक में सरकार की ओर से डेटा उपलब्ध कराया गया।

रिम्स एडमिशन मामला : सीआईडी जांच अब मनी ट्रेल पर केंद्रित, जल्द हो सकती है ईडी की एंट्री

रांची। मेडिकल सीट के लिए बैकडोर एंट्री का शक, सीआईडी खंगाल रही है अब वित्तीय लेनदेन रिम्स में वर्ष 2025 के एमबीबीएस और बीडीएस नामांकन मामले में सीआईडी की जांच मनी ट्रेल पर केंद्रित हो गई है। बुधवार को सीआईडी ने इस मामले में रिम्स में छापेमारी की थी और एडमिशन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए थे।

सीआईडी की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि भारी-भरकम स्क्रूटनी और कड़े नियमों को ठेंगा दिखाते हुए गलत जाति प्रमाण पत्र के आधार पर प्रतिष्ठित मेडिकल सीटों पर कब्जा कर लिया गया। अब सीआईडी अब इस मामले में धोखाधड़ी, जालसाजी और जालसाजी से जुड़े गंभीर प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज करने की तैयारी में है। एफआईआर में भ्रष्टाचार और जालसाजी की धाराएं जुड़ती हैं और पैसों के लेनदेन के सबूत मिलते हैं तो इस मामले में ईडी की भी एंट्री हो सकती है।

सीआईडी की अब तक की जांच में यह साफ हो गया है कि रिम्स के इस बैच में कम से कम दो अभ्यर्थियों के जाति प्रमाण पत्र पूरी तरह फर्जी और गलत हैं। इन दोनों जालसाज अभ्यर्थियों ने न सिर्फ नियमों को तोड़ा, बल्कि उन दो मेधावी और योग्य छात्रों का भविष्य भी हमेशा के लिए बर्बाद कर दिया, जो अपनी दिन-रात की मेहनत के बाद भी इनकी वजह से रेस से बाहर हो गए। -शेष पेज 13 पर सीआईडी कर रही जांच-कहीं पैसों का खेल तो नहीं

जानकारों के मुताबिक, देश और राज्य के टॉप सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस की एक सीट पाने के लिए लोग एक-एक करोड़ रुपए तक खर्च करने को तैयार रहते हैं। ऐसे में सीआईडी को आशंका है कि बिना किसी बड़े वित्तीय लेन-देन या भारी-भरकम रिश्वत के इस तरह का दुस्साहस मुमकिन नहीं है। क्या बैकडोर एंट्री के लिए करोड़ों का खेल हुआ। सीआईडी अब इसी मनी ट्रेल और सिंडिकेट को खंगाल रही है। अगर पैसे के लेन-देन के पुख्ता सबूत मिलते हैं।

अवैध भवनों को नियमित कराने का आवेदन बंद, 20 निकायों में मात्र 4540 लोगों ने ही नक्शा जमा कराए

रांची। रांची सहित राज्यभर में बिना नक्शा के बने करीब सात लाख भवनों को वैध कराने के लिए आवेदन करने की समय सीमा शुक्रवार को समाप्त हो गई। इसके बाद देर रात बिल्डिंग प्लॉन एप्रूवल मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल को बंद कर दिया गया। इसके बाद आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह बंद हो गई। पोर्टल बंद होने तक 20 नगर निकायों में कुल 4540 भवनों का नक्शा जमा हुआ।

सबसे अधिक नक्शा रांची नगर निगम में 1656 जमा हुआ। इसके बाद आरआरडीए में 542 भवनों का नक्शा जमा हुआ। कई नगर पंचायत और परिषद में आवेदन की संख्या दहाई तक भी नहीं पहुंचा। ऑनलाइन पोर्टल बंद होने से राज्यभर के सैकड़ों आर्किटेक्ट परेशान हो गए। कई आर्किटेक्ट पोर्टल खोलने की मांग को लेकर नगर निगम पहुंचे, लेकिन नगर आयुक्त के नहीं रहने की वजह से निराश होकर लौट गए। इधर, आवेदन जमा करने की तिथि बढ़ाने का प्रस्ताव नगर विकास विभाग में ही पड़ा रहा। क्योंकि, सचिवालय में अवकाश था। तिथि बढ़ाने से संबंधित पत्र नहीं निकला। अब अवकाश के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। मालूम हो कि नगर विकास विभाग ने अवैध भवनों को नियमित करने की नियमावली की अधिसूचना 27 अप्रैल को जारी की थी। इसके 60 दिनों के अंदर भवन मालिकों को आवेदन देना था। लेकिन इसके 17 दिनों के बाद 14 मई को ऑनलाइन पोर्टल लांच हुआ। भवन मालिकों को आवेदन के लिए काफी कम समय मिला।

अवैध भवनों को वैध करने के लिए निर्धारित 60 दिन का समय समाप्त हो गया। अधिसूचना जारी होने के समय से ही मास्टर प्लान के अनुसार सड़क की चौड़ाई, फ्रंट सेट बैक, आदिवासी परिवार के बड़े प्लॉट पर जी प्लस 2 घर ,लेबर सेस सहित अन्य सवालों के जवाब आर्किटेक्ट को नहीं मिल रहे थे। नगर विकास के टाउन प्लानर से इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इस वजह से 7 लाख से अधिक घर होने के बावजूद 5 हजार से भी कम आवेदन जमा हुए।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

					1	2	3	
1	2	3			8		4	
8		4			7	6	5	
7	6	5						
						1	2	3
	1	2	3			8		4
	8		4			7	6	5
	7	6	5					

पिछले अंक का उत्तर

1	3	7	4	8	2	6	5	9
8	5	9	6	7	1	3	2	4
6	2	4	5	9	3	7	8	1
2	9	6	1	5	4	8	3	7
3	4	8	2	6	7	1	9	5
7	1	5	9	3	8	4	6	2
9	6	3	7	4	5	2	1	8
4	8	1	3	2	9	5	7	6
5	7	2	8	1	6	9	4	3

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

रांची में 4000 कैब ड्राइवरों की आज से हड़ताल, यात्रियों की बढ़ेंगी मुश्किलें

रांची। राजधानी रांची में रविवार से ऑनलाइन कैब चालकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होने जा रही है, जिसका सीधा असर आम यात्रियों की आवाजाही पर पड़ेगा। ओला, उबर और रैपिडो से जुड़े करीब 4000 टैक्सी चालक अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर काम बंद रखेंगे। झारखंड प्रदेश टैक्सी यूनियन का कहना है कि पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के बावजूद कंपनियों द्वारा किराया दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जिससे चालकों की आमदनी लगातार घट रही है। यूनियन ने आरोप लगाया है कि निजी वाहनों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर रोक नहीं लगाई जा रही है, जिससे कमर्शियल टैक्सी चालकों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा ड्राइवर आईडी बंद करने, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर मूलभूत सुविधाओं की कमी तथा एजेंटों की कथित मनमानी जैसे मुद्दों पर भी लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं।

WI vs SL: 233 और 194 रन ठोक आमिर जंगू- रोस्टन चेज ने की सबसे बड़ी साझेदारी, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार हुआ ऐसा

स्पोर्ट्स डेस्क। पहली बार किसी टेस्ट मैच में छठे विकेट के लिए 400 या उससे अधिक रनों की पार्टनरशिप हुई है। एक समय मैच में श्रीलंका की पकड़ मजबूत होती दिख रही थी और वेस्ट इंडीज दबाव में थी, लेकिन रोस्टन चेज और आमिर जंगू ने मोर्चा संभाल लिया। दोनों ने 602 गेंदों पर 401 रन जोड़े।

वेस्ट इंडीज और श्रीलंका के बीच खेली जा रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुक़ाबला नॉर्थ साउंड के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में वेस्ट इंडीज के कप्तान रोस्टन चेज और युवा बल्लेबाज आमिर जंगू ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। दोनों ने छठे विकेट के लिए रिकॉर्ड 401 रनों की साझेदारी की। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी और कुल मिलाकर दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

छठे विकेट के लिए 400 या उससे अधिक रनों की पार्टनरशिप

पहली बार किसी टेस्ट मैच में छठे विकेट के लिए 400 या उससे अधिक रनों की पार्टनरशिप हुई है। एक समय मैच में श्रीलंका की पकड़ मजबूत होती दिख रही थी और वेस्ट इंडीज दबाव में थी, लेकिन रोस्टन चेज और आमिर जंगू ने मोर्चा संभाल लिया। दोनों ने 602 गेंदों पर 401 रन जोड़े।

जोनी बेयरस्टो और बेन

स्टोक्स के नाम था रिकॉर्ड

इससे पहले छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड इंग्लैंड के जोनी बेयरस्टो और बेन स्टोक्स के नाम था। दोनों ने 2016 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में 399 रन जोड़े थे। करीब एक दशक तक कायम यह रिकॉर्ड अब टूट चुका है।

वेस्टइंडीज ने बनाए 626 रन

वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी 9 विकेट खोकर 626 रन बनाने के बाद घोषित की। टेस्ट के तीसरे दिन वेस्टइंडीज ने अपने 271/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। आमिर जांगू और कप्तान रोस्टन चेज ने अपनी शानदार बल्लेबाजी की और उन्होंने 324 गेंदों का सामना करते हुए 194 रनों की दमदार पारी खेली। बेहतरीन बल्लेबाजी जारी रखी। दोनों ने मिलकर छठे विकेट के लिए 401 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी निभाई। यह टेस्ट क्रिकेट में छठे विकेट के लिए की गई सबसे बड़ी साझेदारी भी है। जांगू ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 373 गेंदों में 233 रनों की लाजवाब पारी खेली। उन्होंने अपने करियर का पहला दोहरा शतक महज दूसरे मैच में लगाया। अपनी इस पारी में जांगू ने 19 चौके और 3 छक्के लगाए।

प्रियनाथ रत्नायके ने पांच विकेट झटके

वहीं, चेज ने भी दूसरे छोर से हालांकि, चेज दोहरे शतक से चूक गए और सोनल दिनुशा की गेंद पर आउट हुए। अल्जारी जोसेफ ने 20 गेंदों में 21 रनों का योगदान दिया। वहीं, शेमार जोसेफ 17 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में श्रीलंका की तरफ से मिलन प्रियनाथ रत्नायके ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके, जबकि सोनल दिनुशा और असिथा फर्नांडो ने दो-दो विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज ने पहली पारी के आधार पर 318 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। पहली पारी में श्रीलंका की पूरी टीम 308 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में श्रीलंका ने एक विकेट खोकर 15 रन बना लिए हैं। निशान मदुष्का 2 और कसुन राजिथा 4 रन बनाकर खेल रहे हैं। वहीं, पथुम निसांका दूसरी पारी में भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 3 रन बनाकर आउट हुए।

कैरेबियाई टीम द्वारा ली गई लीड से श्रीलंका अभी भी 307 रन पीछे है।

बिजनेस न्यूज

कच्चा-तेल ईरान युद्ध से पहले वाले भाव 72 डॉलर पर: भारत में आईपैड-मैकबुक 1-लाख तक महंगे, मार्केट-कैप में माइक्रोन ने मेटा-टेस्ला को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। कल की बड़ी खबर कच्चे तेल से जुड़ी रही। ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की जो कीमतें थीं, गुरुवार को वैश्विक बाजार में दाम उसी स्तर पर आ गए हैं। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यह वही भाव (72.29 डॉलर) है, जो युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले 27 फरवरी को था।

वहीं, एपल ने अमेरिका में अपने आईपैड और मैकबुक की कीमतों में 300 डॉलर तक की बढ़ोतरी कर दी है। भारत में भी इनकी कीमतों में ?1 लाख तक का इजाफा हुआ है।

कच्चा-तेल ईरान युद्ध से पहले वाले भाव 72 डॉलर पर: एनर्जी एक्सपर्ट ने कहा- पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत दशहरे तक ही संभव

ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की जो कीमतें थीं, गुरुवार को वैश्विक बाजार में दाम उसी स्तर पर आ गए हैं। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यह वही भाव (72.29 डॉलर) है, जो युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले 27 फरवरी को था।

17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के बाद स्विट्जरलैंड में हुई शांति वार्ता में अमेरिका ने ईरानी तेल के निर्यात पर आंशिक प्रतिबंध हटा लिए। इसके बाद होर्मुज रूट से गुजरने वाले जहाज की संख्या बढ़ने लगी है।

मार्केट-कैप में माइक्रोन ने मेटा-टेस्ला को पीछे छोड़ाः AI चिप की डिमांड से शेयरों में 18.4% का उछाल; कंपनी की कुल वैल्यू 1.37 ट्रिलियन पहुंची

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर और मेमोरी चिप की भारी मांग के चलते अमेरिकी सेमीकंडक्टर कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी के शेयरों में ऐतिहासिक तेजी देखने को मिली है।

गुरुवार को कारोबारी सेशन में माइक्रोन का मार्केट कैपिटलाइजेशन कुछ समय के लिए दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों मेटा प्लेटफॉर्म्स और टेस्ला से भी ज्यादा हो गया।

मजबूत तिमाही अनुमानों (गाइडेंस) के बाद निवेशकों के बढ़े भरोसे से कंपनी के शेयर इंट्राडे में 18.4% तक उछल गए।

मेटा-टेस्ला के बिल्कुल करीब बंद हुआ मार्केट कैप

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को कारोबार खत्म होने पर माइक्रोन टेक्नोलॉजी का शेयर 15.8% की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार बंद होने पर माइक्रोन का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.37 ट्रिलियन डॉलर रहा।

इसकी तुलना में मेटा प्लेटफॉर्म्स का मार्केट कैप 1.38 ट्रिलियन डॉलर और इलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला का मार्केट कैप 1.41 ट्रिलियन डॉलर था। इंट्राडे ट्रेडिंग के दौरान आई बड़ी तेजी से माइक्रोन कुछ समय के लिए इन दोनों कंपनियों से आगे निकल गया था।

चौथी तिमाही में 50 बिलियन रेवेन्यू का अनुमान

माइक्रोन की इस ऐतिहासिक तेजी के पीछे कंपनी का चौथी तिमाही (अगस्त में समाप्त होने वाली तिमाही) के लिए जारी किया गया मजबूत रेवेन्यू अनुमान है। कंपनी ने इस तिमाही में करीब 50 बिलियन डॉलर का रेवेन्यू हासिल करने का अनुमान जताया है।

दक्षिण अफ्रीका की घातक गेंदबाजी, बांग्लादेश को मात्र 118 रन पर रोका

बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेशी टीम निर्धारित ओवरों में 5 विकेट गंवाकर 117 रन ही बना सकी। इस टीम को पहली ही गेंद पर जुएरिया फिरदौस (0) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसके बाद ताज नेहर (1) और सोभना मोस्टरी की जोड़ी दूसरे विकेट के लिए 14 रन ही जुटा सकी।

बांग्लादेश ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 29वें मैच में जीत के लिए 118 रन का टारगेट रखा है। लॉर्ड्स में जारी इस मुकाबले में बांग्लादेश की जीत भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह को आसान बना सकती है।

बांग्लादेशी की खराब बल्लेबाजी

रविवार को लंदन में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेशी टीम निर्धारित ओवरों में 5 विकेट गंवाकर 117 रन ही बना सकी। इस टीम को पहली ही गेंद पर जुएरिया फिरदौस (0) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसके बाद ताज नेहर (1) और सोभना मोस्टरी की जोड़ी दूसरे विकेट के लिए 14 रन ही जुटा सकी। बांग्लादेश ने 14 के स्कोर तक अपने 2 विकेट खो दिए थे। यहां से सोभना ने शर्मिन अख्तर के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में 56 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद बांग्लादेश फिर से बिखर गई।

नॉनकुलुलेको ने झतेक दो विकेट

शर्मिन 29 गेंदों में 22 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जबकि सोभना ने 48 गेंदों में 1 छक्के और 3 चौकों के साथ 42 रन बनाए। इनके अलावा, कप्तान निगार सुल्ताना 20 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 32 रन बनाकर नाबाद रहीं। विपक्षी खेमे से नॉनकुलुलेको म्लाबा ने 22 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि मारिजैन कप्प, शबनीम इस्माइल और नादिन डी क्लार्क ने 1-1 विकेट हासिल किया।

दक्षिण अफ्रीका के पास सेमीफ़ाइनल में जाने का मौका

ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में बांग्लादेश 4 में से 2 मैच जीतकर फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका 4 में से 3 मैच जीतकर तीसरे स्थान पर है। भारत ने 4 में से 3 मैच अपने नाम किए हैं, लेकिन +2.268 नेट रन रेट के चलते साउथ अफ्रीका (+0.734) से ऊपर है। ऑस्ट्रेलियाई टीम शुरुआती सभी चार मैच जीतकर शीर्ष पर है। भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दिन के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साउथ अफ्रीका की हार भी टॉप-4 में उसकी जगह को पक्की कर सकती है। अगर बांग्लादेशी टीम इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका को हरा देती है, तो भारत के लिए सेमीफाइनल की राह आसान हो जाएगी। लौरा वोल्वार्ड्ट की कप्तानी में साउथ अफ्रीका इस मुकाबले में ताजमिन ब्रित्स, एनेरी डर्कसेन, डेन वैन नीकेर्क, मारिजैन कप्प, नादिन डी क्लार्क, क्लो ट्रायॉन, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), शबनीम इस्माइल, अयाबोंगा खाका और नॉनकुलुलेको म्लाबा के साथ उतरी है।

मैदान पर नहीं चला जादू, सोशल मीडिया पर हुए ट्रोल

स्पोर्ट्स डेस्क। फीफा विश्व कप 2026 से पहले दौर में बाहर होने के बाद उरुग्वे फुटबॉल फेडरेशन ने खिलाड़ियों को बड़ी सजा दी है। टीम की खराब परफॉर्मेंस के कारण उनकी वापसी की चार्टर फ्लाइट रद्द कर दी गई है। फीफा विश्व कप 2026 के पहले ही दौर से बाहर होने के बाद उरुग्वे के खिलाड़ियों को देश के फुटबॉल फेडरेशन ने बिल्कुल भी नहीं बख्शा है। अपने आखिरी ग्रुप एच के मुकाबले में स्पेन के खिलाफ 0-1 से मिली हार के बाद दो बार की चैंपियन उरुग्वे विश्व कप से बाहर हो गई है। टूर्नामेंट में टीम के इस बेहद शर्मनाक और खराब प्रदर्शन से नाराज होकर देश के फुटबॉल फेडरेशन ने खिलाड़ियों की वापसी के लिए पहले से बुक किए गए चार्टर विमान को रद्द कर दिया है।

चार्टर फ्लाइट रद्द की गई और अब खिलाड़ियों को कैसे लौटना होगा? क्या आप जानते हैं कि उरुग्वे की टीम इस बार ग्रुप स्टेज में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी? काबो वर्डे और सऊदी अरब के खिलाफ उनके अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए थे, जिसके कारण यह दक्षिण अमेरिकी टीम अपने ग्रुप में सबसे निचले पायदान पर रही और उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, चार्टर विमान रद्द होने के कारण अब सभी खिलाड़ियों को एक साथ टीम के रूप में लौटने के बजाय अलग-अलग विमानों और कमर्शियल फ्लाइट्स से अपने देश वापस लौटना होगा।

टीम के बाहर होने के बाद मार्सेलो बिएल्सा ने क्या कहा?

टूर्नामेंट से इतनी जल्दी बाहर होने के बाद उरुग्वे के कोच मार्सेलो बिएलसा बेहद गुस्से में नजर आए। स्पेन के खिलाफ मैच से ठीक पहले रणनीति और ट्रेनिंग के तरीकों को लेकर खिलाड़ियों ने बिएलसा का सामना भी किया था, जिसके कारण विवाद की स्थिति बनी थी। मैच के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी बिएलसा ने अपना आपा खो दिया और तीखे बयान दिए।

फॉर्म में लौटे सुमित नागल, दो साल में पहली बार जीता एटीपी चैलेंजर खिताब; इंटारो ओपन के विजेता बने

स्पोर्ट्स डेस्क, । भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने रोमानिया के टार्गु मुरेस में खेले गए इंटारो ओपन क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में फ्रांस के क्वालीफायर फेलिक्स बालशॉ को 6-3, 7-5 से हराकर दो साल से ज्यादा समय में अपना पहला एटीपी चैलेंजर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही चैलेंजर स्तर पर नागल का खिताबी सूखा भी खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने जून 2024 में जर्मनी में हेलब्रॉन चैलेंजर जीता था।

सातवां एटीपी चैलेंजर खिताब अपने नाम किया यह इस 28 वर्षीय खिलाड़ी का कुल सातवां एटीपी चैलेंजर एकल खिताब था और क्ले कोर्ट पर यह उनकी पांचवीं ट्रॉफी थी जो इस कोर्ट के प्रति उनके लगाव को दर्शाती है। नागल खराब दौर के बाद अपनी रैंकिंग को फिर से बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं और इस खिताब से उन्होंने 75 एटीपी रैंकिंग अंक हासिल किए। उम्मीद है कि नई रैंकिंग जारी होने पर वह दुनिया में लगभग 219वें नंबर पर पहुंच जाएंगे। उन्हें अपनी इस कामयाबी के लिए 15,510 यूरो की पुरस्कार राशि भी मिली।

भारतीय खिलाड़ी ने बेसलाइन से शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन दूसरे सेट में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि बालशॉ मुकाबले में बने हुए थे। हालांकि नागल ने मैच के आखिरी पलों में संयम बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत हासिल की। यह खिताब नागल के लिए सही समय पर आया है क्योंकि इससे उनका मनोबल बढ़ेगा। दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह फिर से बनाने की कोशिश में जुटे नागल ने इस सत्र का अधिकतर समय चैलेंजर सर्किट पर खेलते हुए बिताया है।

ऑस्ट्रेलिया ने 2018 से अब तक 5 विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप एडिशन में 90% मैच जीते, लेकिन भारत से नहीं पा सका पार

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच आज 28 जून को विमेंस टी20 वर्ल्?ड कप 2026 में बेहद अहम मुकाबला खेला जाएगा। क?या आप जानते हैं कि 2018 से लेकर अब तब ऑस?ट्रेलिया की टीम 27 में से सिर्फ तीन मैच ही हारी है। सबसे खास बात ये है कि इनमें से दो बार उसे भारत ने शिकस?त दी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार 28 जून को आईसीसीस विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम का सामना करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए यह मैच जीतना जरूरी है, क्योंकि वे पहले साउथ अफ्रीका से हार चुकी हैं। वह अभी ग्रुप ए में 6 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर है। ऑस्ट्रेलिया अब तक टूर्नामेंट में कोई मैच हारी नहीं है। हालांकि, 2018 से अब तक टी20 वर्ल्?ड कप में किसी ने उसे कड़ी टक?कर दी है, तो वह भारतीय महिला टीम ही है।

टी20 वर्ल्ड कप में 2018 से ऑस्ट्रेलिया की 3 हार में से 2 भारत के खिलाफ आईं

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने 2018 से अब तक पांच ञ्20 वर्ल्ड कप एडिशन में कुल 27 मैच खेले हैं, जिनमें से उसने 24 मुकाबले (करीब 90 प्रतिशत) अपने नाम किए हैं। जबकि सिर्फ

तीन मैच ही हारे हैं। दिलचस्प बात ये है कि इन तीन हार में से उसे दो भारत के खिलाफ मिली हैं। 2018 के टी20 वर्ल्ड कप में भारत ने ग्रुप स?टेज में उसे 48 रनों से हराया था। वहीं, 2020 के टी20 वर्ल्?ड कप की ग्रुप स?टेज में ही उसे टीम इंडिया ने 17 रनों से मात दी थी। आज ये देखना दिलचस?प होगा कि भारतीय महिलाएं उसी प्रदर्शन को दोहरा पाती हैं या नहीं।

भारतीय टीम का प्रदर्शन

टीम इंडिया ने अपने टी20 वर्ल्ड कप अभियान की अच?छी शुरुआत की और पाकिस्तान-नीदरलैंड्स के खिलाफ लगातार दो जीत दर्ज की। ??हालांकि, तीसरे मैच में टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ 6 विकेट से हार के बाद बड़ा झटका लगा। उस हार के चलते भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने एटीआर क्षेत्र के गांवों में लगाई जनचौपाल

ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के अचानकमार क्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्रामों—जमुनाही, जकड़बांधा, सुरही और बम्हनी, कटामी और अचानकमार में जनचौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लेकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान अनेक विकास कार्यों की घोषणाएं भी की।

ग्राम जमुनाही में उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर का सपना साकार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिवतराई से केवची तक बहुप्रतीक्षित सड़क को स्वीकृति मिल चुकी है। वर्षा ऋतु समाप्त होते ही निर्माण कार्य शुरू होगा। वहीं बिजराकछार से औरापानी सड़क को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्रामीणों द्वारा बिजली एवं पेयजल की समस्या उठाए जाने पर उन्होंने तत्काल अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने जमुनाही में सड़क की मरम्मत, गांव में 5 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण, देवभूमि में हैंडपंप स्थापना की घोषणा की तथा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए टैंकर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि महतारी वंदन योजना, पेंशन, राशन सहित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश देते हुए मंच

निर्माण के लिए 2 लाख रुपये तथा गणेश चौक में गणेश पंडाल हेतु शेड निर्माण के लिए 3 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कोटरा-पथरा-मनियारी मार्ग पर पुल निर्माण का सर्वे पूरा हो चुका है और कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा। उन्होंने जनचौपाल के दौरान पेयजल समस्या के समाधान के निर्देश देने के साथ ही स्थानीय क्रिकेट खिलाड़ियों को खेल सामग्री भी वितरित किए। सुरही में उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वनांचल क्षेत्रों में बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने सुरही में 5 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण की घोषणा की। ग्राम बम्हनी में जनचौपाल के दौरान उप मुख्यमंत्री ने बताया कि गांव के 111 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा 206 महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वनांचल क्षेत्रों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और सभी आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने निवासखार में पुलिया निर्माण के लिए भी शीघ्र प्रयास करने का भरोसा दिलाया। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम कटामी एवं छपरवा में हैंडपंप एवं पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम बिंदावल में सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख रुपए की घोषणा की तथा पानी एवं बिजली की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। जनचौपालों में मुंगेली के कलेक्टर कुंदन कुमार और वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

अबूझमाड़ के कुरूसनार में गूंजा 'मन की बात' का 135वां संस्करण

रायपुर । महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अबूझमाड़ क्षेत्र के नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड अंतर्गत कुरूसनार गांव में ग्रामीणों, महिलाओं और जनप्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मन की बात देशवासियों को प्रेरित करने वाला एक ऐसा जनसंवाद मंच बन चुका है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को निरंतर सशक्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों से समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं, महिलाओं और बच्चों को

नई ऊर्जा एवं प्रेरणा मिलती है। अबूझमाड़ जैसे दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण, विकास की मुख्यधारा से जुड़ाव और जनजागरूकता का सशक्त माध्यम बन रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए प्रेरक प्रसंगों, नवाचारों और सामाजिक अभियानों से जुड़ी जानकारियों को उत्साहपूर्वक सुना। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और जनजातीय अंचलों में शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य तथा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, युवा एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सुकमा जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 का शुभारंभ

रायपुर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 28 जून 2026 को पूरे भारत में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के रूप में शुरू हुआ। इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जा रही हैं ताकि भारत को पोलियो-मुक्त रखा जा सके। स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र , आंगनवाड़ी केंद्र या सरकारी अस्पताल में जाकर अपने बच्चे को पोलियो की दवा दिलवा सकते हैं। सुकमा जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 का शुभारंभ सुकमा जिले

में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 का शुभारंभ आज उत्साहपूर्वक किया गया। कलेक्टर श्री अमित कुमार और पुलिस अधीक्षक श्री किरण चव्हाण ने मराईगुड़ा वन स्थित केंद्र में बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरुआत की। वहीं बस स्टैंड सुकमा में नगर पालिका अध्यक्ष श्री हूंगाराम मरकाम ने भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पार्षद श्री रंजीत बारठ, श्री रमेश कर्मा, श्री अनिल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह, डॉ. प्रदीप पटेल सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सुकमा जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 का शुभारंभ तीन दिनों तक चलेगा अभिया जिला टीकाकरण सुकमा अधिकारी ने बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 38,518 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

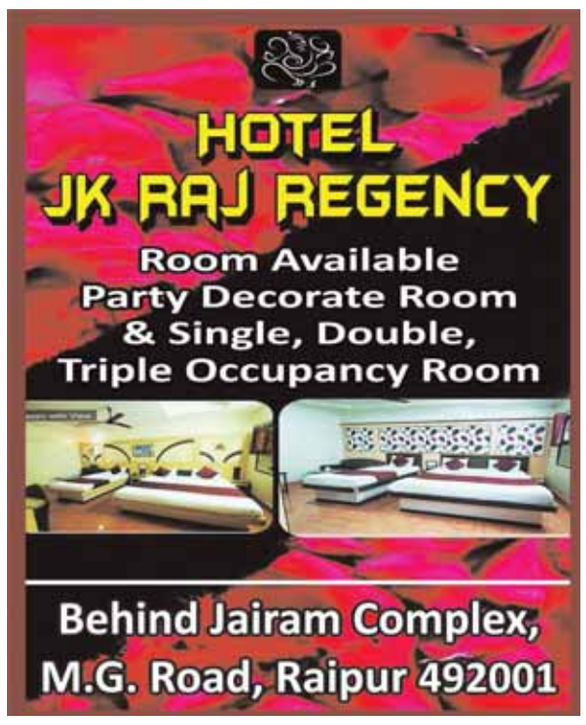

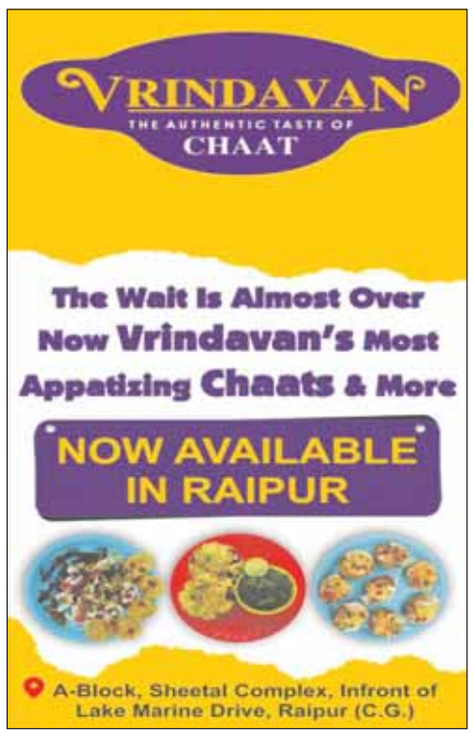

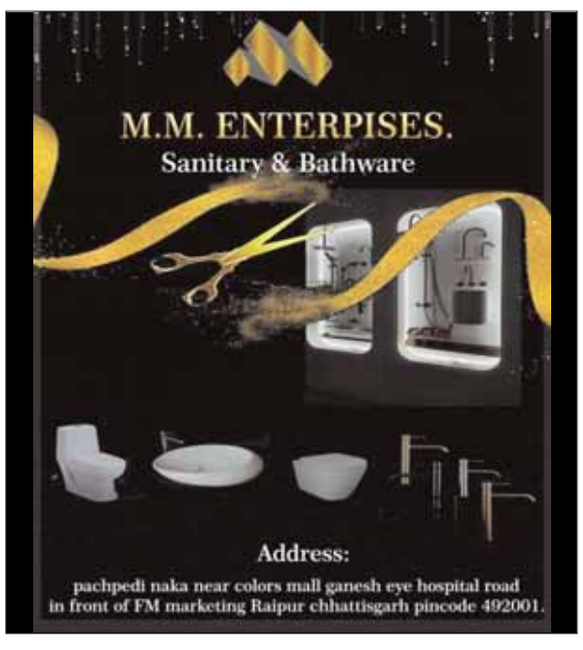

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684